संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 22
पृष्ठ 8
बुधवार
07 अक्टूबर 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कब्ज की समस्या से मिल...
विचार- एसआईआर के विरोध में चौतरफा...
खेल- मैंने अपना फ़र्ज़ निभाया...

### मोबाइल असेंबली से माइक्रोचिप तक पहुंचा यूपी, योगी बोले-

## सेमीकंडक्टर और एआई से बनेगी नई डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश अब केवल मोबाइल फोन की 'असेंबली' तक सीमित नहीं है, बल्कि सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर और कृत्रिम मेधा (एआई) के क्षेत्र में निवेश के जरिए माइक्रोचिप निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य भविष्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव तैयार कर रहा है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "असेंबली से एआई तक नए उत्तर प्रदेश की नई उड़ान..." उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने प्रदेश की क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं किया और उसे 'बीमारू' बनाए रखा। योगी ने कहा कि आज साढ़े नौ वर्षों के भीतर देश के करीब 60 प्रतिशत मोबाइल फोन और 55 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक घटकों के उत्पादन में उत्तर प्रदेश

की हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश में नीति, निवेश और उत्पादन से जोड़ा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जेवर में 3,706 करोड़ रुपये की लागत से एचसीएल–फॉक्सकॉन की चिप इकाई स्थापित की जा रही है। इसके अलावा प्रदेश में 644 मेगावाट क्षमता के डेटा सेंटर के प्रस्ताव आ चुके हैं। राज्य में 24,000 से अधिक स्टार्टअप और आठ यूनिकॉर्न मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की तकनीकी यात्रा अब मोबाइल से मॉड्यूल और मॉड्यूल से माइक्रोचिप तक पहुंच रही है। पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले स्थिति अलग थी। घोषणाएं तो होती थीं, लेकिन परियोजनाओं को जमीन पर उतारना मुश्किल था। उन्होंने कहा, "क्योंकि तब परिवारवाद ही विकास था, सैफई महोत्सव ही सांस्कृतिक उत्थान और माफियाकरण ही औद्योगिकीकरण का मॉडल बन गया था। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि जब सरकार की चिंता प्रदेश से ज्यादा परिवार और निवेशक से ज्यादा अपराधियों की हो, तो भविष्य की तकनीक के लिए अनुकूल माहौल कैसे तैयार होगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य की 'एआई प्रज्ञा' पहल के तहत 10 लाख युवाओं को उभरती प्रौद्योगिकियों से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि वह मंगलवार को लखनऊ में एचसीएलटेक की स्थापना के 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे और 'एचसीएल गुवी इमर्जिंग टेक स्किलिंग सेंटर' की शुरुआत के साक्षी बनेंगे।

### दिल्ली हाईकोर्ट ने नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर को नो–हाकिंग, नो–वेंडिंग जोन घोषित किया

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर के एक खास हिस्से को छोड़कर बाकी पूरे इलाके को नो–हॉकिंग जोन और नो–वेंडिंग जोन घोषित कर दिया है। कोर्ट ने 90 पहचाने गए वेंडर्स को तब तक किसी दूसरी जगह से काम करने की इजाजत दी है, जब तक कि टाउन वेंडिंग कमेटी–प्प उनके वेंडिंग अधिकारों पर कोई फैसला नहीं ले लेती। जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह और जस्टिस दिनेश भट्ट की डिवीजन बेंच ने नेहरू प्लेस इलाके में हॉकिंग और वेंडिंग गतिविधियों से जुड़ी कई याचिकाओं और अवमानना के मामले पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं और प्रतिवादियों द्वारा रिकॉर्ड पर रखी गई 26 सितंबर की तस्वीरों से कोई शक नहीं रह जाता कि नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर को श्नो–हॉकिंग और नो–वेंडिंग जोन घोषित करने के फैसले की पुष्टि की जानी चाहिए।

### इंडिया गठबंधन का धरना: सांसदों की आवाज का अपमान

## राहुल गांधी बोले- चुनाव आयुक्तों को मिलना ही होगा

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन के बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता ने राहुल गांधी ने केंद्र बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम लोग लोकतंत्र बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस प्रदर्शन में लोकसभा–राज्यसभा के 300 सांसद शामिल हुए है। उन्होंने आगे कहा, श्हम लोग मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनके साथियों से मिलना चाहते थे। चुनाव आयोग का काम सही तरीके से चुनाव कराना है, पता नहीं ज्ञानेश कुमार क्यों डरे हैं? अगर लोकसभा–राज्यसभा सांसद से चुनाव आयुक्त नहीं मिलेंगे तो लोकतंत्र का क्या मतलब? एक बात मैं साफ कहता हूं, कोई भी नहीं बचेगा, चाहे वो नरेंद्र मोदी हो, अमित शाह, ज्ञानेश कुमार और मोहन भागवत हो। सब पर कार्रवाई होगी, इन्होंने हमारे देश को और आपके देश को नुकसान पहुंचाया है। राहुल गांधी ने आगे कहा, हम न सिर्फ उनका (भाजपा) मुकाबला करेंगे, बल्कि उन्हें खत्म कर देंगे। हमारे

देश के साथ जो किया गया है। वह देशद्रोह है। कोई भी बच नहीं पाएगा।करीब 300 सांसद चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने हमें यहीं रोक दिया। हम चुने हुए प्रतिनिधि हैं, लेकिन हमें नहीं पता कि हमें यहां क्यों रोका गया है। हमें समझ नहीं आ रहा कि समस्या क्या है। जबकि चुनाव आयोग का दफ्तर यहां से सिर्फ 50 मीटर दूर है। विपक्ष के 300 सांसद ज्ञानेश कुमार से मिलना चाहते हैं, लेकिन वे डरे हुए हैं। देश में क्या हो रहा है? लोकतंत्र का क्या मतलब है अगर चुनाव आयोग चुने हुए प्रतिनिधियों से ही न मिले? राहुल गांधी ने कहा, मैं पूरे देश को बताना चाहता हूं कि पुलिस यहां से मीडियाकर्मियों को हटा रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आकाशवाणी भवन परिसर में मीडिया कर्मियों को हटाए जाने का दावा किया। उन्होंने परिसर में खड़े होकर कहा कि वह पूरे देश को बताना चाहते हैं कि पुलिस यहां से मीडिया के लोगों को हटा रही है। राहुल गांधी के इस बयान के बाद मौके पर मौजूद मीडिया कर्मियों और पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल उठे।

### ईसी मार्च पर किरेन रिजिजू का राहुल गांधीन पर हमला, कहा- यह ड्रामा कब तक चलेगा?

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने श्इंडियाश गठबंधन के चुनाव आयोग मुख्यालय तक मार्च के बाद कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर बार–बार हमला करने से न तो लोकतंत्र को कोई फ़ायदा होगा और न ही कांग्रेस को जनता का समर्थन फिर से हासिल करने में मदद मिलेगी। रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस को चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट को निशाना बनाने का रोज़ का ड्रामा बंद कर देना चाहिए और इसके बजाय लोगों की सेवा करके

उनका जनादेश जीतने पर ध्यान देना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी, राहुल गांधी और उनके सहयोगियों का यह रोज़ का ड्रामा – जिसमें वे लगातार चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट पर हमला करते हैं – अब बंद होना चाहिए। यह ड्रामा 2014 से लगातार चल रहा है। यह ड्रामा कब तक चलेगा? लोकतंत्र में, अगर आप लोगों की सेवा करते हैं, तो आपको जनता का जनादेश मिलता है। जब आप जनादेश जीतने में नाकाम रहते हैं, तो आप चुनाव आयोग को बुरा–भला कहते हैं। जब सुप्रीम कोर्ट माफ़ी मांगने के लिए कहता है, तो आप सुप्रीम कोर्ट पर हमला करते हैं और दावा करते हैं कि आपको न्यायपालिका पर भरोसा नहीं है। आप चुनाव आयोग को भ्रष्ट कहते हैं और सरकार को भ्रष्ट बताते हैं। पत्रकारितासीखें उन्होंने आगे कहा कि इससे न तो लोकतंत्र को कोई फ़ायदा होगा और न ही कांग्रेस पार्टी फिर से मज़बूत हो पाएगी। मैं ख़ास तौर पर राहुल गांधी से कहना चाहता हूँरू मोदी जी से सीखिए।

### मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला:

## देश में बनेगी आईटीएलए अथॉरिटी

**10 साल का बनेगा मास्टर प्लान, 500 करोड़ से बड़े प्रोजेक्ट्स की होगी नजर!**

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय कैबिनेट ने मंगलवार को दो महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। इन फैसलों में इंटेगरेटेड ट्रांसपोर्ट एंड लॉजिस्टिक्स अथॉरिटी (आईटीएलए) की स्थापना और 10,000 करोड़ रुपये के स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज ग्रोथ फंड (एसजीएफ) का गठन शामिल है। ये पहल देश के परिवहन और लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्रों को नई दिशा देंगी। आईटीएलए का लक्ष्य परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में अनुसंधान, योजना, मूल्यांकन, निगरानी और प्रभाव आकलन को मजबूत करना है। यह परिवहन परियोजनाओं की

योजना, मूल्यांकन और निगरानी में तालमेल बिठाएगा। आईटीएलए नीति अनुसंधान, परियोजना योजना व मूल्यांकन, निगरानी व समीक्षा, और डेटा विश्लेषण को एक साथ लाएगा। यह भारत में एकीकृत परिवहन और लॉजिस्टिक्स योजना के लिए एक राष्ट्रीय शीर्ष संस्था के रूप में कार्य करेगा। वहीं, एसजीएफ लघु एवं मध्यम उद्यमों में इक्विटी निवेश के लिए 10,000 करोड़ रुपये का कोष है। यह कोष उच्च क्षमता वाले लघु एवं मध्यम उद्यमों को दीर्घकालिक इक्विटी पूंजी प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य सिद्ध व्यावसायिक व्यवहार्यता और विस्तार करने की क्षमता वाले उद्यमों को बढ़ावा देना है। यह नया प्राधिकरण परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में तालमेल लाने के लिए स्थापित किया जा रहा है। इसका मुख्य कार्य अनुसंधान, योजना, मूल्यांकन, निगरानी और प्रभाव आकलन को मजबूत करना है। यह भारत सरकार की 500 करोड़ रुपये या अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का तकनीकी मूल्यांकन करेगा। इसका उद्देश्य एकीकृत बहु–मॉडल योजना सुनिश्चित करना है। यह राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति, 2022 की समीक्षा और अद्यतन करने में भी सलाह और सहायता देगा। आईटीएलए एक दीर्घकालिक परिवहन योजना तैयार करेगा। इसमें सड़क, रेलवे, बंदरगाह, विमानन, अंतर्देशीय जलमार्ग, तटीय शिपिंग, शहरी गतिशीलता और लॉजिस्टिक्स शामिल होंगे। यह 500 करोड़ रुपये से अधिक की परिवहन और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करेगा। साथ ही, यह समस्या समाधान का समन्वय करेगा और पूरा होने के बाद के प्रभाव का आकलन करेगा। यह जीएसटीएन ई–वे बिल, फास्टैग, वाहन, जीपीएस और शहरी यातायात डेटा को एकीकृत कर एक राष्ट्रीय परिवहन डेटा भंडार बनाएगा। यह साक्ष्य–आधारित परियोजना योजना के लिए माल–प्रवाह और मूल–गंतव्य विश्लेषण का उपयोग करेगा। यह लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में प्रशिक्षण, कौशल विकास और क्षमता निर्माण का भी समर्थन करेगा। केंद्रीय बजट 2026–27 में घोषित यह कोष लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए वृद्धि पूंजी की कमी को दूर करेगा।

## मिजोरम में कोडीन सिरप की अवैध बिक्री पर सख्ती, रद्द होंगे ड्रग लाइसेंस

लालरिनपुई,एजेंसी। मिज़ोरम की स्वास्थ्य मंत्री लालरिनपुई ने मंगलवार को चेतावनी दी कि राज्य में दवाओं खासकर कोडीन सिरप के बड़े पैमाने पर गलत इस्तेमाल और गैर–कानूनी बिक्री को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, सरकार कानून तोड़ने वाले डीलरों के ड्रग लाइसेंस रद्द करने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाएगी। सोशल मीडिया पोस्ट में मंत्री ने बताया कि सोमवार को यहां अलग–अलग मंत्रालयों के बीच एक बैठक हुई, जिसमें दवाइयों के गलत इस्तेमाल (ड्रग एब्यूज) के खतरनाक रूप से

बढ़ने पर चर्चा की गई। इस बैठक में आबकारी मंत्री लालनिंगलोवा हमार, स्वास्थ्य, आबकारी और नारकोटिक्स विभागों के अधिकारी और सेंट्रल यंग मिज़ो एसोसिएशन के प्रतिनिधि शामिल हुए। लालरीनपुई ने बताया कि बैठक में इस बात पर गौर किया गया कि हेरोइन की सप्लाई में तेज़ी से आई कमी दृ जिसे राज्य में ड्रग से जुड़े सबसे गंभीर खतरों में से एक माना जाता है। उसने कई लोगों को दवाइयों के गलत इस्तेमाल की ओर धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि बैठक में गलत इस्तेमाल के लिए लाई जा रही ड्रग्स की ज़ब्ती और दवाइयों की खरीद–बिक्री में गड़बड़ी के आरोप में कई लोगों की गिरफ्तारी और उन पर कानूनी कार्रवाई के बारे में भी चर्चा हुई। मंत्री के अनुसार, मिज़ोरम में कोडीन सिरप सबसे ज़्यादा गलत इस्तेमाल की जाने वाली दवा पाई गई है; खबर है कि बड़ी मात्रा में यह दवा राज्य में आ रही है और बिना डॉक्टर की पर्ची के बेची जा रही है, जबकि नियम के मुताबिक यह दवा केवल डॉक्टर की पर्ची पर ही मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका गलत इस्तेमाल युवाओं, वयस्कों और यहाँ तक कि बच्चों में भी फैल गया है।

## साक्षर होना व शिक्षित होना दोनों में क्या अंतर है?

प्रयागराज। तीन दिन की छुट्टी के बाद सोमवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में पीसीएस के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार हुआ। कुशीनगर जनपद से आए एक नायब तहसीलदार भी साक्षात्कार में शामिल हुए। उनसे पूछा गया कि साक्षर होना और शिक्षित होना दोनों में क्या अंतर है? कबीर दास कितने पढ़े थे? वह शिक्षित थे, साक्षर थे या ज्ञानी? ब्यूरोक्रेट्स में इतना एटीट्यूड

क्यों होता है वह जनता को लेकर के इतने उदासीन क्यों होते हैं। उसके खिलाफ क्या कार्रवाई करनी चाहिए कि ब्यूरोक्रेट जनता के सामने अच्छे से पेश आएं? इसी तरह अभ्यर्थियों से पूछा गया कि राजतंत्र अच्छा है या लोकतंत्र? लोकतंत्र क्यों? ब्रिटेन में तो लोकतंत्र नहीं है वहां का राजा मुखिया होता है और चीन में नहीं है चीन हमसे आगे है तो लोकतंत्र क्यों? चीन ने ऐसा क्या–क्या कर लिया था जो भारत नहीं कर पाया और पीछे रह गया? चाइना मॉडल हम क्यों नहीं लागू कर सकते? शिक्षा, ज्ञान और विवेक में क्या अंतर है इसमें किसको आप महत्व देंगे? इसके साथ ही अभ्यर्थियों से उनसे व्यक्ति जुड़े सवालों के साथ–साथ तमाम मुद्दों पर सवाल किए गए।

## ध्वनि नियमों का पालन हो तो पांचों वक्त अजान में बाधा न डालें : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सहारनपुर की आयशा मस्जिद में पांचों वक्त अजान अदा करने के अधिकार में पुलिस और जिला प्रशासन को अनावश्यक हस्तक्षेप न करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अजान के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 और हाईकोर्ट के पूर्व के फैसले में निर्धारित शर्तों के अनुसार ही किया जा सकता है। नियमों का पालन करने का आश्वासन देने पर प्रशासन अजान में बाधा नहीं डालेगा। यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने शानवाज खान और पांच अन्य की ओर से दाखिल याचिका का निस्तारण करते हुए यह आदेश दिया। याचिकाकर्ताओं ने आयशा मस्जिद में दिन में पांच बार अजान देने और इसके लिए लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति मांगी थी। उनका कहना था कि लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति से संबंधित न्यायिक आदेशों के बावजूद अधिकारी उन्हें अजान के लिए इसका इस्तेमाल नहीं करने दे रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ताओं को अजान देने से नहीं रोका जा रहा है। प्रतिबंध केवल लाउडस्पीकर के इस्तेमाल के तरीके को लेकर है। ध्वनि प्रदूषण नियमों में लाउडस्पीकर के लिए अनुमन्य ध्वनि स्तर तथा उसके इस्तेमाल की समय सीमा निर्धारित है, जिसका पालन करना आवश्यक है।

## महिलाओं, संस्कृति और एकता का उत्सव 'Mahotsav 2026' भव्यता के साथ सम्पन्न

प्रयागराज। Golden Lioness District A-5 द्वारा आयोजित महोत्सव 2026 का भव्य एवं गरिमामयी आयोजन 4 अक्टूबर 2026 को होटल ट्रीबू में उत्साह, सौहार्द एवं सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य परंपरा, संस्कृति, प्रतिभा, महिला सहभागिता एवं आपसी एकता को एक मंच पर लाना रहा, जिसने उपस्थित सभी सदस्यों में नई ऊर्जा, प्रेरणा और सहयोग की भावना को और मजबूत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं स्वागत उद्बोधन जिलाध्यक्ष, डा. सबिता अग्रवाल द्वारा किया गया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में उन्होंने संगठन

की सेवा भावना, महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक गतिविधियों के महत्व तथा आपसी एकता पर प्रकाश डालते हुए सभी सदस्यों को निरंतर समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिताओं का औपचारिक उद्घाटन ळरै- च्नीच ैतनच, च्डब्ब द्वारा किया गया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सदस्यों की प्रतिभा को निखारने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा आपसी सहयोग और सौहार्द को मजबूत करने का उत्कृष्ट माध्यम हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डे. टपईीं डपैीतं, बेंपतउंद, ैापसस क्मअमसवचउमदज की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने अपने उद्बोधन में कला, संस्कृति, कौशल विकास और महिला सहभागिता के महत्व पर प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए तथा सभी सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। विशिष्ट अतिथि डते. छममसंउ च्तोंक, क्पतमबजवत, ैातमम वैतंजी च्तोंक थ्पसससपदह ैजंजपवद ंदक ळतवनच ने महिलाओं की प्रतिभा, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए सभी को शुभकामनाएँ दीं। दूसरी विशिष्ट अतिथि डे. न्उं क्प•पज, ेपेजंदज क्पतमबजवत, ैदहममज ैउपजप, च्तंलंहतंर ने कला एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए ळवसकमद स्पवदमे परिवार के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात डे. ।सा ैतपअंजंअ द्वारा मनमोहक गणेश वंदना प्रस्तुत की गई। इसके बाद ळरै- क्त. ैइपजं ।हतूंस द्वारा ब्वकम वि म्जीपबे का वाचन किया गया, जिसमें संगठन के मूल्यों, अनुशासन एवं सेवा भावना को पुनः स्मरण कराया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ रहीं। ैवसव ैवदह, ैवसव क्ंदबम, ळतवनच ैवदह, ळतवनच क्ंदबम तथा ैजंदक–नच ब्वउमकल में सभी प्रतिभागियों ने अपनी कला, प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों ने पूरे सभागार को उत्साह और तालियों से भर दिया तथा कार्यक्रम को अत्यंत रंगारंग एवं यादगार बना दिया।

# पेनड्राइव के साथ प्रोजेक्ट व पढ़ाई हुई महंगी

प्रयागराज। मोबाइल, पेन ड्राइव, चिप, हार्ड डिस्क और एसएसडी जैसे उपकरणों के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। यह वृद्धि प्रतियोगी छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और अन्य लाखों लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। मेमोरी कार्ड महंगी होने से पेनड्राइव के साथ प्रोजेक्ट व पढ़ाई महंगी हो गई है।

पेन ड्राइव, मेमोरी और अन्य इलेक्ट्रानिक्स स्टोरेज उपकरणों की बढ़ती कीमतों ने छात्रों, प्रतियोगी परीक्षार्थियों और शोधार्थियों का बजट बिगाड़ दिया है। जिले में लगभग 1950 मोबाइल की दुकानें हैं। कारोबारी रचित सेठ के अनुसार, जिले में 1500 से 1900 मोबाइल दुकानदार हैं। पहले यहां प्रतिदिन 500 से 1000 पेन ड्राइव और करीब 500 टैब बिकते थे लेकिन दाम बढ़ने से बिक्री आधी से भी कम हो गई है।

इंदिरा भवन व्यापार मंडल के अध्यक्ष आशीष अरोरा ने बताया कि 32 जीवी की पेन ड्राइव जो दो माह पहले 300 रुपये की थी, अब 750 रुपये से अधिक की हो गई है। इसी तरह, 1200 रुपये की हार्ड डिस्क अब तीन हजार रुपये से अधिक में मिल रही है। एसएसडी के दाम 1200 रुपये से बढ़कर

3200 रुपये के करीब पहुंच गए हैं। मोबाइल के मूल्य में 1.5 गुना वृद्धि हुई है।

दुकानदारों ने कहा एआई भी दाम बढ़ने की एक वजह

दुकानदार अजय मल्होत्रा, राशिद हुसैन, सूरज गिरि, शानू अशरावत ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण भी पेनड्राइव के दाम हुए दोगुने हो रहे हैं। दुकानदारों का कहा है कि बड़ी टेक कंपनियां अपने एआई मॉडल्स और डेटा सेंटर्स को चलाने के लिए भारी मात्रा में फ्लैश मेमोरी और हाई–स्पीड स्टोरेज खरीद रही हैं। एआई कंपनियां चिप निर्माताओं को बहुत ज्यादा दाम देकर सीधे फैक्ट्री से ही पूरा स्टॉक उठा रही हैं। इसके चलते आम ग्राहकों के लिए बनने वाली पेनड्राइव और मेमोरी कार्ड के लिए बाजार में फ्लैश मेमोरी की भारी कमी हो गई है।

मोबाइल फोन के भी बढ़े दाम

कारोबारी विपिन गुप्ता का कहना है कि जो मोबाइल पहले दस हजार रुपये में उपलब्ध थे, वे अब 20 हजार रुपये से अधिक के हो गए हैं। आईफोन के मूल्य भी बढ़ गए हैं। बाजार में रैम की भी बड़े पैमाने पर कमी पड़ गई है। दो माह के अंतराल में इन उपकरणों के मूल्य में दोगुने का अंतर आ गया है। इस महंगाई से मोबाइल दुकानदारों की बिक्री भी प्रभावित हुई है।

स्कूल और कॉलेज के प्रोजेक्ट, प्रेजेंटेशन, ई– बुक्स, वीडियो लेक्चर और शोध सामग्री सुरक्षित रखने के लिए इन उपकरणों की जरूरत पड़ती है। दाम बढ़ने से इसका असर स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ–साथ शोध छात्रों पर भी पड़ रहा है। – दीपक पुनेठा, ईसीईडी एमएनएनआईटी

# टीईटी परिणाम से असंतुष्ट अभ्यर्थियों ने किया प्रदर्शन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी–2026) के परिणाम से

असंतुष्ट तमाम अभ्यर्थियों ने सोमवार को सिविल लाइंस स्थित धरना स्थल पर धरना प्रदर्शन किया। दरअसल, इस परीक्षा में एक लाख से ज्यादा ऐसे अभ्यर्थियों को फेल किया गया था जिन्होंने ओएमआर शीट में गलत रोल नंबर भर दिया था। नार्मलाइजेशन लागू होने की वजह से भी कुछ अभ्यर्थी फेल हुए थे। ऐसे अभ्यर्थी अब धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

सत्येंद्र कुमार यादव के नेतृत्व में अभ्यर्थी चयन आयोग के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। अभ्यर्थियों का आरोप है कि आयोग अपनी गलतियों को नजरअंदाज करके छात्रों की मानवीय भूल को अपराध मानकर वर्षों से लंबित पड़ी शिक्षक भर्ती निकालने के बाद छात्रों को नॉर्मलाइजेशन और रीजेक्शन का शिकार बताकर अभ्यर्थन से बाहर कर दिया है। अभ्यर्थियों का यह भी आरोप है कि यूपीटीईटी में लगभग 12 प्रश्नों को गलत एवं दोहरे उत्तर वाले बनाने वाले विशेषज्ञों के खिलाफ आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की।

वहीं, दोपहर बाद आयोग के उप सचिव संजय सिंह धरना स्थल पर पहुंचे थे लेकिन आंदोलित अभ्यर्थी अपनी मांग पर अड़े रहे। इस मौके पर चंद्रशेखर अधिकारी, अमित द्विवेदी, अजय यादव, अंकित यादव अक्की, शिवम तिवारी, अंकित चौधरी, सुषमा वर्मा, सिंधु, शिखा सिंह व लवकुश समेत अन्य मौजूद रहे।

# साहित्य को समाज से जोड़ने वाले इतिहासकार थे आचार्य शुक्लः डा. मुक्ता

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) विश्वविद्यालय में सोमवार को आचार्य रामचंद्र शुक्ल की 142वीं जयंती के उपलक्ष्य पर संगोष्ठी का आयोजन किया। मुख्य अतिथि रामचंद्र शुक्ल साहित्य शोध संस्थान की अध्यक्ष डॉ. मुक्ता ने ऑनलाइन माध्यम से आचार्य शुक्ल को हिंदी निर्माता बताते हुए उनके बाल्यकाल से ही लेखन के प्रति रुझान और इतिहास लेखन की यात्रा पर प्रकाश डाला। डॉ. मुक्ता ने कहा कि जायसी व तुलसीदास को हिंदी साहित्य में प्रतिष्ठित करने में आचार्य शुक्ल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि साहित्य को समाज से जोड़ने वाले इतिहासकार थे।

विशिष्ट अतिथि डॉ. अलका प्रकाश ने कहा कि आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिंदी साहित्य के इतिहास, आलोचना और निबंध परंपरा के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उन्होंने साहित्य को केवल

राजाओं व काल्पनिक कथाओं तक सीमित न रखाकर सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों से जोड़ा। शुक्ल का मानना था कि किसी युग का साहित्य वहां की जनता की चित्तवृत्ति का प्रतिबिंब होता है। मुख्य संरक्षक कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह और समन्वयक हिंदी विभागाध्यक्ष व कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. आशुतोष कुमार सिंह रहे। संचालन डॉ. अजीत सिंह व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बब्लू यादव ने किया। इस मौके पर प्रियंका त्रिपाठी, किसलय सिंह, कोमल यादव, सुमन लता आदि मौजूद रहीं।

# हाईकोर्ट ने रामलीला आयोजन आर्थिक सहयोग की अनुमति दी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बाघंबरी क्षेत्र श्रीरामलीला कमेटी उत्तरी अल्लापुर के विवाद में एक महत्वपूर्ण आदेश दिया है। कोर्ट ने याचियों को आगामी रामलीला के आयोजन के लिए आर्थिक सहयोग देने की अनुमति दी है। याचिकाकर्ता पांच दिन के भीतर नायब तहसीलदार (दक्षिणी), तहसील सदर के समक्ष 15 लाख रुपये बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से जमा कर सकते हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने ओम नारायण त्रिपाठी और अन्य की याचिका पर दिया। याचियों ने खुद को श्रीरामलीला कमेटी की जनरल बॉडी का सदस्य बताया है। इनमें से एक याचिकाकर्ता कमेटी का पूर्व अध्यक्ष भी रहा है। सदस्यों के बीच विवाद के चलते पहले हाईकोर्ट में एक अन्य याचिका दाखिल हुई थी। उसमें प्रतिद्वंद्वी पक्षों को कमेटी परिसर से दूर रहने का निर्देश दिया गया था। साथ ही कलेक्टर को कमेटी के कार्यों को देखने को कहा गया था। इसके बाद एसडीएम सदर ने नायब तहसीलदार आशुतोष तिवारी को कमेटी का कार्यभार संभालने के लिए अधिकृत किया था। याचियों ने रामलीला भव्य तरीके से आयोजित कराने के लिए आर्थिक योगदान देने की इच्छा जताई। इस पर विपक्ष ने कोई आपत्ति नहीं की। उन्होंने 15 लाख रुपये बैंक ड्राफ्ट से देने का प्रस्ताव रखा था। कोर्ट ने अनुमति देते हुए कहा कि यदि दानदाताओं की सूची बनाई जाती है तो याचिकाकर्ताओं के नाम भी उसमें प्रदर्शित किए जाएं। लंबित याचिका को अंतिम सुनवाई के लिए दो सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने का निर्देश देते हुए कोर्ट ने वर्तमान याचिका का निस्तारण कर दिया।

## शूटर अरमान को कड़ी सुरक्षा में कोर्ट में किया पेश, सुनवाई के बाद भेजा बिहार जेल

प्रयागराज। जिला न्यायालय के एससी–एसटी कोर्ट में सोमवार को उमेश पाल हत्याकांड में माफिया अतीक का शूटर पांच लाख रुपये का इनामी अरमान बिहारी को पेश किया गया। इस दौरान अरमान का ट्रांजिट रिमांड मंजूर किया गया। उसे मामले से संबंधित आरोप से संबंधित पेपर उपलब्ध कराई गई।

अदालत ने उससे अधिवक्ता की जरूरत के बारे में पूछा तो

उसने निशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उसके आवेदन पर सरकारी अधिवक्ता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की गई। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 14 दिन बाद की तारीख तय की। जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) मनोज पांडेय ने बताया कि पुलिस ने अरमान की पुलिस कस्टडी रिमांड की मांग नहीं की। ट्रांजिट रिमांड की कार्रवाई पूरी होने के बाद उसे वापस बिहार की गया जेल भेजने का आदेश दिया गया। अग्रिम कार्यवाही कोर्ट के आदेश पर की जाएगी।

बता दें कि विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह अधिवक्ता उमेश पाल की 24 फरवरी 2023 को प्रयागराज में हत्या कर दी गई थी। इस मामले में अरमान लंबे समय से फरार था। उस पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उसकी तलाश में एसटीएफ समेत पुलिस की टीमें लगी थीं। बिहार में गिरफ्तारी के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड पर प्रयागराज लाया गया और सोमवार को एससी–एसटी कोर्ट में पेश किया गया।

## सेरेब्रल पाल्सीः जागरूकता से बदला बच्चों का भविष्य

प्रयागराज। सेरेब्रल पाल्सी के प्रति अब लोगों में जागरूकता बढ़ी है। ऐसे में बच्चों का इलाज समय पर और बेहतर दिशा में हो रहा है। त्रिशला फाउंडेशन के डॉ. जितेंद्र जैन बताते हैं कि पहले लोग पांच से छह साल में बच्चों का इलाज कराने आते थे। अब पांच से छह माह में बच्चों का उपचार कराने पहुंच रहे हैं। सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित 60 फीसदी से अधिक बच्चों की बौद्धिक क्षमता सामान्य लोगों के बराबर होती है। सही दिशा मिलने पर ऐसे बच्चे उच्च शिक्षा भी प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. जैन ने बताया कि पिछले चार सालों से एक बच्चे का चयन एमबीबीएस में हो रहा है।

पिता की सोच ने गरीबी को दी मात, सेरेब्रल से पीड़ित बेटी बनी डॉक्टर

गोरखपुर की यशी के पिता की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी मगर जन्म से डिटोनिक सेरेब्रल पाल्सी से ग्रसित बच्ची के उपचार की चाहत उनके दिल में थी। इसमें सहयोग डॉ. जितेंद्र जैन ने किया। पांच साल की उम्र से बच्ची का इलाज शुरू हुआ। यशी के शरीर के एक तरफ का भाग काम नहीं करता था। पढ़ाई में तेज होने के कारण यह समस्या उनके इरादों के आगे बौनी हो गई। वर्ष 2023 में कोलकाता नेशनल मेडिकल कॉलेज में उनका चयन हुआ। यशी के एमबीबीएस बैच के साथियों और डॉ. जितेंद्र ने पढ़ाई के खर्च की जिम्मेदारी उठाई। यशी अब एमबीबीएस के चौथे साल में हैं।

यह है सेरेब्रल पाल्सीः सेरेब्रल पाल्सी मस्तिष्क से संबंधित विकारों का एक समूह है, जो व्यक्ति की गति, मांसपेशियों के नियंत्रण, समन्वय और शारीरिक मुद्रा को प्रभावित करता है। यह बच्चों में होने वाली सबसे आमतौर विकलांगताओं में से एक है।

यह हैं लक्षणः 1. समय पर गर्दन न संभालना, बैठना, घिसट कर चलना व खड़ा होना न सीखना।

2. मांसपेशियों का अत्यधिक सख्त या अकड़ा हुआ होना (स्पास्टिसिटी) या बहुत अधिक ढीला महसूस होना।

3. हाथों और पैरों के उपयोग में असंतुलन, एक हाथ का दूसरे की तुलना में अधिक उपयोग करना व झटकेदार मूवमेंट होना।

4. लड़खड़ाकर चलना, पंजों के बल चलना या पैरों का आपस में टकराना।

5. बोलने में कठिनाई, अत्यधिक लार टपकना, निगलने व चूसने में परेशानी और देखने–सुनने में दिक्कत।

सेरेब्रल पाल्सी के लक्षणों को समय रहते पहचानना जरूरी है। लोगों में जागरूकता बढ़ी है। इसकी वजह से बच्चों को समय रहते उपचार के लिए सेंटर लाया जा रहा है। ऐसे में अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। – डॉ. जितेंद्र जैन, निदेशक, त्रिशला फाउंडेशन

## क्वांटम एमटेक के पहले बैच में बेसिक्स से प्रैक्टिकल तक बढ़ी पढ़ाई

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) में इसी सत्र से एमटेक इन क्वांटम इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम शुरू हुआ है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को क्वांटम की नई और विशिष्ट तकनीकें सिखाने पर केंद्रित है। पहले बैच के 20 छात्र इस नई तकनीक सीखने के अनुभव को अब तक अच्छा बता रहे हैं। शुरुआत में छात्रों को सीधे जटिल क्वांटम अवधारणाएं पढ़ाने के बजाय भौतिकी और गणित की बुनियादी जानकारी मजबूत कराई जा रही है। करीब दो महीने में उन्हें क्वांटम मैकेनिक्स, क्यूबिट, डिराक नोटेशन और क्वांटम कंप्यूटिंग की मूल अवधारणाओं से परिचित कराया गया है। छात्रों के अनुसार, शिक्षक काफी सहयोग करते हैं और क्वांटम से जुड़े अन्य क्षेत्रों की जानकारी भी देते हैं। जरूरत पड़ने पर संबंधित संसाधन भी उपलब्ध कराए जाते हैं। पहले सेमेस्टर में बेसिक्स मजबूत करने पर जोर है, साथ ही प्रोग्रामिंग की शुरुआत भी हो चुकी है। क्वांटम को समझने के लिए क्लासिकल मैकेनिक्स, भौतिकी और गणित की अवधारणाओं पर भी काम कराया जा रहा है। पाठ्यक्रम में नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स और सर्किट डिजाइनिंग भी शामिल है।

## भयहरण नाथ धाम में नगर पंचायत द्वारा प्रस्तावित विकास कार्य शुरू भक्तों व प्रबुद्ध समाज में उत्साह

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन बाबा भयहरण नाथ धाम में नगर विकास विभाग द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों का शुभारंभ नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह द्वारा शुरू हो गया है। नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव व सभासद सुनीता देवी के

देखरेख में सोमवार को ठेकेदार विवेक मिश्र द्वारा प्रारंभ करा दिया गया। मंगलवार को मुख्य मंदिर के सामने से पुजारी आवास व प्रशासनिक कार्यालय के रास्ते तक सीसी सड़क का निर्माण तेजी से चल रहा है। यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि नगर पंचायत द्वारा प्रस्तावित योजनाओ पर तेजी से कार्य शुरू हुआ है। जिसमे सीसी सड़क, इंटर लॉकिंग, बकुलाही नदी पर घाट तथा सेड आदि का कार्य होना है। नगर पंचायत अध्यक्ष मुन्ना यादव ने आश्वस्त किया है कि कार्य गुणवत्ता पूर्ण और मानक के अनुरूप ही होंगे। महासचिव ने धाम के पुजारियों व कर्मचारियों से सभी कार्यों में सक्रिय सहयोग व देखरेख की अपेक्षा की है। वहीं क्षेत्रीय प्रबुद्ध नागरिको, प्रबन्ध समिति सदस्यों तथा भक्तों में उत्साह का संचार हुआ है।

## शहर समता विचार मंच की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

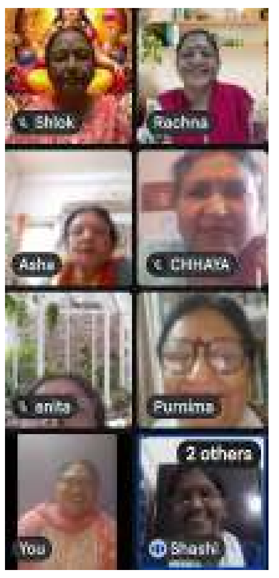


प्रयागराज। शहर समता विचार मंच के तत्वावधान में ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। गोष्ठी की अध्यक्षता रचना सक्सेना ने की तथा डॉ पूर्णिमा पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। आशा जाकड़ ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं कुशल संचालन उमा मिश्रा 'प्रीति' ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रतिमा दीवान, डा .शशि जायसवाल, पूनम पांडे, अनीता दुबे, शोभा त्रिपाठी, संतोष मिश्रा रेणुका पटेल, छाया सक्सेना 'प्रभु' , मीना कुमारी परिहार, सुषमा सिंह उर्मि साधना खरे,ने अपनी सुंदर एवं भावपूर्ण रचनाओं की प्रस्तुति दी। अंत में उमा मिश्रा 'प्रीति' ने सभी अतिथियों एवं साहित्यकारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।


**उत्तर मध्य रेलवे**

GeM बिड संख्या: GEM/2026/B/8109880 दिनांक: 01.10.2026

**ई-निविदा निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कोचिंग, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा निम्न लिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक GeM वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती हैं :-

कार्य का नाम: PRYJ और CNB कोचिंग डिपो में दो साल की अवधि के लिए कोचिंग स्टॉक के रखरखाव के दौरान डेटा एंट्री और मटीरियल हैंडलिंग का काम।

निविदा सिस्टम: दो पैकेट सिस्टम | कार्य का अनुमानित लागत (रू में): ₹ 9,52,36,667/-

EMD: ₹ 6,26,190/- | ई निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य | कार्य की अवधि: 02 वर्ष

GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि: 01.10.2026

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 26.10.2026 को 15:00 बजे

नोट:- (1) उपरोक्त ई-निविदाओं की निविदा पुस्तिका सहित पूरी जानकारी GeM वेबसाइट www.GeM.gov.in पर उपलब्ध है। (2) GeM पर निविदा करने में किसी भी कठिनाई के लिए GeM वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। (3) ऑनलाइन ई-निविदा GeM वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक जमा की जा सकती है। (4) जेवी (JV) फर्मों को इस निविदा में भाग लेने की अनुमति है। 2261/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in



**उत्तर मध्य रेलवे**

ई - निविदा सूचना दिनांक: 01.10.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (ओ.&एफ.), उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक GeM वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती हैं-

GEM बिड संख्या: GEM/2026/B/8104738 Dated: 01.10.2026

कार्य का नाम: ROH शेड GMC/कानपुर से JHS वर्कशॉप अथवा भारतीय रेल के किसी अन्य नामित वर्कशॉप तक असेंबल किए गए व्हील सेट (Assembled Wheel Set) का परिवहन तथा JHS वर्कशॉप अथवा किसी अन्य नामित वर्कशॉप से ROH शेड GMC/कानपुर तक ओवरहॉल किए गए व्हील सेट (Overhauled Wheel Set) का परिवहन, दो वर्ष की अवधि के लिए।

निविदा सिस्टम: डबल पैकेट सिस्टम | कार्य का अनुमानित लागत (₹): 3,81,23,460.00

EMD (₹): 3,40,700/- | ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य | कार्य की अवधि: 02 वर्ष

GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि: 01.10.2026

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 23.10.2026 & 15:00:00

नोट: 1. उपरोक्त ई-निविदाओं की निविदा पुस्तिका के साथ पूरी जानकारी GeM वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि से उपलब्ध/अपलोड की जाएगी और वेबसाइट www.gem.gov.in पर निविदा खुलने की नियत तिथि तक बनी रहेगी। 2. उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। इस उद्देश्य के लिए, विक्रेताओं को खुद को GeM वेबसाइट के साथ पंजीकृत कराना आवश्यक है। 3. संलग्न किए जा रहे दस्तावेज़ पर निविदाकर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। 4. सभी निविदाकारों को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जाएंगे। 5. किसी भी कठिनाई के मामले में GeM की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 6. ऑनलाइन ई-निविदा निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक जमा की जा सकती है। 2255/26(AK)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in



**उत्तर मध्य रेलवे**

ई-निविदा सूचना दिनांक : 01.10.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (ओ.&एफ.), उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक GeM वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती है-

GEM बिड संख्या : GEM/2026/B/8104751 Dated : 01.10.2026

कार्य का नाम : कानपुर से कोटा वर्कशॉप तक हॉट-एक्सलयुक्त व्हील सेट का बेयरिंग निरीक्षण एवं मरम्मत हेतु परिवहन कार्य, तीन वर्ष की अवधि के लिए।

कार्य का अनुमानित लागत (रू. में) 60,38,756.06 | निविदा सिस्टम : डबल पैकेट सिस्टम

EMD (रू.) : 1,20,800 | ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य : शून्य

कार्य की अवधि : 03 वर्ष | GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : 01.10.2026

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 23.10.2026 & 16:00:00

नोट:- 1. उपर्युक्त ई-निविदाओं की निविदा पुस्तिका के साथ पूरी जानकारी GEM वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि से उपलब्ध/अपलोड की जाएगी और वेबसाइट www.gem.gov.in पर निविदा खुलने की नियत तिथि तक बनी रहेगी। 2. उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। इस उद्देश्य के लिए, विक्रेताओं को खुद को GeM वेबसाइट के साथ पंजीकृत कराना आवश्यक है। 3. संलग्न किए जा रहे दस्तावेज पर निविदाकर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। 4. सभी निविदाकारों को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जाएंगे। 5. किसी भी कठिनाई के मामले में GeM की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 6. ऑनलाइन ई-निविदा निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक जमा की जा सकती है। 2236/26(AS)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR


# पत्रकारों की दशा-दिशा बदलने के लिए संघर्ष करेगा एनयूजेः सुरेश शर्मा

## उपज मथुरा के जिलाध्यक्ष अतुल जिंदल सम्मानित

### पत्रकारिता पर जनता का भरोसा कायम, पत्रकारों की सुरक्षा-सम्मान जरूरीः भूपेंद्र सिंह

अयोध्या। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) एनयूजेआई की दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद में पत्रकारिता की चुनौतियों और पत्रकार हितों के मुद्दों पर व्यापक मंथन हुआ। परिषद में 22 राज्यों से पहुंचे 200 से अधिक पत्रकार प्रतिनिधियों ने पेंशन, बीमा, सुरक्षा, स्थायी रोजगार और पत्रकारों के सम्मान से जुड़े विषयों पर चर्चा कर विभिन्न प्रस्ताव पारित किए।

राष्ट्रीय परिषद का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि समाज का पत्रकारिता पर भरोसा आज भी कायम है, जबकि राजनेताओं पर विश्वास अपेक्षाकृत कम है। डिजिटल और सोशल मीडिया के दौर में सूचनाओं का प्रवाह बेहद तेज है, ऐसे में पत्रकारों का दायित्व और बढ़ गया है। तथ्यों पर आधारित और सत्य को सामने लाने वाली पत्रकारिता लोकतंत्र तथा सामाजिक एकता को मजबूत करती है, जबकि सुनी–सुनाई और तथ्यहीन पत्रकारिता समाज को नुकसान पहुंचा सकती है।

उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन में पत्रकारों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने आंदोलन को प्रमुखता से उठाया। आंदोलन का इतिहास लिखा जाएगा तो पत्रकारों के योगदान का भी उल्लेख होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या नए स्वरुप में विकसित हो रही है।

**पत्रकारों की दशा–दिशा बदलने के लिए संघर्ष जारी रहेगा**

एनयूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने कहा कि संगठन की स्थापना वर्ष 1972 में सैद्धांतिक पत्रकारिता और वैचारिक संघर्ष के उद्देश्य से हुई थी। एनयूजे ने 1975 के आपातकाल का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की दशा और दिशा में आमूलचूल परिवर्तन के लिए संगठन संघर्ष जारी रखेगा तथा पत्रकार हितों के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाया जाएगा।

राष्ट्रीय महामंत्री त्रियुग नारायण तिवारी ने संगठन की एकजुटता पर जोर दिया। महिला राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कविता राज ने महिला पत्रकारों की भागीदारी बढ़ाने और स्थायी पेंशन का मुद्दा उठाया। जनता दल (सेकुलर) के प्रदेश अध्यक्ष ओंकार सिंह ने महात्मा गांधी, जयप्रकाश नारायण और डॉ. राममनोहर लोहिया का उदाहरण देते हुए कहा कि कई बड़े राजनेता पत्रकारिता से जुड़े रहे हैं।

**पत्रकारों की दृष्टि और अनुभव पारखी रू डीएम**

समापन अवसर पर जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकारों की दृष्टि और अनुभव पारखी होता है। पत्रकार समाज की समस्याओं को सामने लाने के साथ प्रशासन को जमीनी स्थिति से भी अवगत कराते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय परिषद के सफल आयोजन पर आयोजकों और पत्रकारों को बधाई दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने टीम के साथ जिलाधिकारी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। महंत जगदीश दास हनुमान बाग ने भी जिलाधिकारी का स्वागत किया।

**उपज मथुरा के जिलाध्यक्ष अतुल जिंदल सम्मानित**

राष्ट्रीय परिषद में उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स (उपज) की मथुरा इकाई की सक्रिय भागीदारी के लिए जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी के विशेष आमंत्रित सदस्य अतुल कुमार जिंदल को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री त्रियुग नारायण तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक मलिक ने संयुक्त रूप से उन्हें श्रीराम का स्मृति चिह्न भेंट किया।

उपज प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि प्रदेश महामंत्री आनंद कर्ण ने भी विचार व्यक्त किए। अयोध्या उपज अध्यक्ष प्रो. कृष्ण मुरारी सिंह ने आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन उपज प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विवेकानंद पांडेय ने किया।

उपज अयोध्या इकाई की व्यवस्थाओं और आतिथ्य की 22 राज्यों से आए पत्रकारों ने सराहना की। जिला प्रशासन की ओर से पत्रकार प्रतिनिधियों के लिए श्रीराम मंदिर में सुगम दर्शन की व्यवस्था भी कराई गई।

इस अवसर पर मिलिंद द्विवेदी, कविता राज, दीपक बलदेव शर्मा, पुरुषोत्तम, प्रभाकर मलिक, राजीव शुक्ला, जयप्रकाश सिंह, सचिन, नाथ बख्श सिंह, मधुकर पांडेय, संजय रस्तोगी, राकेश, त्रिलोकीनाथ द्विवेदी, सुनीता उपाध्याय, प्रदीप पाठक, राजेश कुमार सिंह, अनुज तिवारी सहित विभिन्न राज्यों के पत्रकार मौजूद रहे।

# 21वाँ विराट कवि सम्मेलन सम्पन्न, कवियों ने मचाई धूम हुई अमृतरस वर्षा, झूम उठे दर्शक

प्रयागराज। श्री निम्बार्क आश्रम रामबाग प्रयागराज के मंदिर प्रांगण में विराट कवि सम्मेलन महंत राधा माधवदास महाराज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम पं अशोक मिश्र ने आयोजक ई० श्रवण कुमार ठाकुर एवं पुजारी लक्ष्मी नारायण के साथ बजरंगबली एवं मां सरस्वती सहित सभी देवी–देवताओं का विधिवत पूजन–अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महंत राधा माधवदास की अध्यक्षता में काव्य रस की धारा का निरंतर प्रवाह देर रात तक चलता रहा। कवयित्री रेनू मिश्रा द्वारा वाणी वंदना के पश्चात रचना सक्सेना, जगदीश कौर, अन्नपूर्णा मालवीय, गीता सिंह, चेतना सिंह एवं ऋतु पाण्डेय त्रिधा ने सुंदर काव्य पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। तत्पश्चात कवियों में हरिवंश शुक्ल शौर्य, यज्ञ कुमार पाण्डेय सिंघम, चन्द्रशेखर शुक्ल विकास एवं अनुपम त्रिपाठी पत्रकार का काव्य पाठ भी सराहनीय रहा। ओज कवि गंगा त्रिपाठी, मासूम एवं संत कवि अक्षय शिवम शुक्ल, इंदु जौनपुरी, अभिषेक

केशरवानी, बिहारी लाल अम्बर, नीलिमा मिश्रा नीलम, रामकैलाश मिठ्ठू, रामसुरेश अंजाना, अमित गुप्ता अमिट एवं भक्त कवि अभिषेक द्विवेदी, अश्विन राम, ईश्वर चन्द्र विद्यावाचस्पति, राजेन्द्र बहादुर सिंह हंस एवं विक्टर सुल्तानपुरी, हास्य कवि आशीष तिवारी निर्मल एवं आशीष खरे आदि के उत्कृष्ट रचनाओं ने मंच को ऊंचाइयां प्रदान की और दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। अतिविशिष्ट अतिथियों में बालकृष्ण पाण्डेय एडवोकेट, दिनेश सिंह, प्रदीप सिंह, विश्वविख्यात कवि–चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा, प्रदीप चौरसिया, विक्रम, लालजी करवरिया व सुजीत कनौजिया की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मंच पर सभी अतिथियों एवं कवियों को पुष्पहार, अंगवस्त्र और ट्राफी से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन हास्य कवि ठाकुर इलाहाबादी ने किया। तत्पश्चात धर्मेंद्र श्रीवास्तव अध्यक्ष राही विकास समिति के आभार प्रदर्शन के बाद 21वाँ कवि सम्मेलन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कमलेश सरोज, जगदीश केशरवानी, मधुसूदन निषाद, सुमित सोनकर, राधा, पिंकी, शशि केशर वानी एवं अल्पना केशरवानी सहित सैकड़ों की संख्या में साहित्य प्रेमियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

## नोडल लेवल प्रतियोगिता–जूनियर वर्ग में कनक, शाइस्ता, मरियम, सीनियर ग्रुप में इशिका, आयुष, तस्मिया रहे प्रथम द्वितीय और तृतीय

### अल–हमरा फ़ारूकी गर्ल्स इंटर कॉलेज 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का सफल आयोजन

प्रयागराज। अल–हमरा फ़ारूकी गर्ल्स इंटर कॉलेज, में 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। भारत सरकार के एनसीएसटीसी डीएसटी कार्यक्रम के अंतर्गत टप्प्दै के सहयोग से 'सतत विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचार' विषयक थीम पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा, जल संरक्षण, खाद्य, कृषि, स्वास्थ्य

तथा भारतीय ज्ञान प्रणाली से संबंधित विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल एवं प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए गए। जिसमें किदवई मेमोरियल गर्ल्स इंटर कॉलेज, विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल, बृज बिहारी सहाय विद्या मंदिर, विद्यावती दरबारी बालिका इंटर कॉलेज, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा गर्ल्स इंटर कॉलेज एवं सेंट एंथनी कॉन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज एवं अन्य विद्यालयों के बाल वैज्ञानिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निर्णायक मंडल में सौरभ न्यूटन पॉल, एहतेशाम एवं प्रो० राम जी पाण्डेय ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों की घोषणा की। जूनियर ग्रुप में प्रथम पुरस्कार कनक प्रजापति किदवई मेमोरियल गर्ल्स इंटर कॉलेज, द्वितीय पुरस्कार शाइस्ता फातिमा विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल, तृतीय पुरस्कार मरियम फातिमा अल–हमरा फ़ारूकी गर्ल्स इंटर कॉलेज। सीनियर ग्रुप में प्रथम पुरस्कार इशिका सेंट. एंथनी गर्ल्स इंटर कॉलेज द्वितीय पुरस्कार आयुष कुमार बृज बिहारी सहाय विद्या मंदिर। तृतीय पुरस्कार तस्मिया अल–हमरा फ़ारूकी गर्ल्स इंटर कॉलेज। विद्यालय की प्रधानाचार्या शबाना बेगम और विद्यालय संस्थान संरक्षक तथा प्रबंधक प्रो० बारां फ़ारुकी रहीं। कार्यक्रम की सफलता में टप्प्दै के अधिकारी गण, प्रबंधन, स्टाफ एवं विद्यार्थियों की खास भूमिका रही।

## सवेरा आ जाएगा

इम्तिहान है आज समझ कर चलना भाई।
महँगी है हर चीज मगर मत कहना भाई।
दूध–दही का त्याग नीर से नाता जोड़ो।
हिम्मत से लो काम व्यर्थ की बातें छोड़ो।
मधुर करो संबंध को छोड़ रार की बात को।
आएगी प्यारी सुबह खत्म करेगी रात को।।

घना कुहासा देख कदम मत रोको भाई।
धीरे रखना चाल अधिक मत सोचो भाई।
कुछ दिन की है बाद सवेरा आ जाएगा।
घर होगा गुलजार वक्त सबको भाएगा।
केवल बस केवल यही कहना होगा लाज़मी।
आएगी वह सुबह चहकेगा फिर आदमी।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

## सीएमपी महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। सी.एम.पी. महाविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में स्थित 'सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेलबीग' एवं 'मनोविज्ञान विभाग' द्वारा दिनांक 06 अक्टूबर को 'मूवी एनालिसिसः सर्चिंग मीनिंग इन लाइफ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने युवाओं को खुशी कैसे प्राप्त हो, एस विषय पर चिंता जताई।

कार्यक्रम में आमंत्रित मुख्य वक्ता डॉ. साधना श्रीवास्तव, हेड, जर्नलिज्म एंड मॉस कम्युनिकेशन विभाग, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा वहाँ उपस्थिति छात्रों के दुविधाओं को दूर किया गया एवं उनके वैचारिक समस्याओं को अपने निर्देशन द्वारा समाधान किया गया। तदोपरांत डा. रंजना तिवारी, कोर्स कोऑर्डिनेटर, हैप्पीनेस लैब रू साइकोलॉजी इन एक्शन, सह संयोजक, सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेलबीग, ने मूवी के मनोवैज्ञानिक तथ्यों को समझाया। डॉ. रुचिका वर्मा, सहायक आचार्य, संयोजक, मनोविज्ञान विभाग, सी.एम.पी. महाविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने बताया कि युवाओं को अपने बाहरी वातावरण से प्रभावित होने की अपेक्षा खुद की इच्छाओं को महत्व देने की आवश्यकता है। मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ महेश कुमार मौर्य ने भारतीय ज्ञान परंपरा के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में डा. रंजना तिवारी ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम के संचालन के सभी मनोविज्ञान विभाग के शोधार्थियों और विभाग के स्नातक अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा किया गया।


**उत्तर मध्य रेलवे**

No.: Dy. CEE/PU/PRYJ/EIG/D117/2026 दिनांक : 30.09.2026

"सार्वजनिक अधिसूचना"

रेलवे लाइनों और परिसरों का इस्तेमाल करने वाले सभी उपभोक्ताओं को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 132 के.वी., 50 हर्ट्ज ए.सी. ट्रांसमिशन लाइन (दोहरा सर्किट) तारों को खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद में उर्जित किया जायेगा। उस तारीख पर और उस तारीख से ट्रांसमिशन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली से चालू) माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस ट्रांसमिशन लाइन के पास नहीं आएगा और न ही उसके आस-पास कोई काम करेगा।

मंडल : प्रयागराज, दिनांक: 30.10.2026 को अथवा उसके पश्चात।

खण्ड का नाम: उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के जिवनाथपुर-कानपुर सेक्शन में नैनी रेलवे ट्रैक्शन सब-स्टेशन के पास, नैनी (तहसील-करछना, जिला-प्रयागराज) से गुजरने वाली 132kV, 3-फेज़, डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन (टावर नंबर 106 से 106B के बीच)।

द्वारा निर्गत
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

2262/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in



**उत्तर मध्य रेलवे**

निविदा सूचना सं0 : 8520062027 दिनांक : 05.10.2026

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये, निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित ई-निविदा, दिनांक 04.11.2026 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं0 : 181 | अनुमानित मूल्य (रू.) : 7,77,09,612.90

कार्य का विवरण : वरिष्ठ मंडल अभियंता/द्वितीय/प्रयागराज के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत प्रयागराज-कानपुर खंड में ठेकेदार के पी0क्यू0आर0एस0 पोर्टल के माध्यम से थ्रू स्लीपर नवीनीकरण-प्राथमिक (टी0एस0आर0पी0) साथ में फ्लैश बट वेल्डिंग तथा अन्य विविध कार्य।

बयाने की रकम (रू.) : 15,54,200.00 | कार्य समापन की अवधि : 12 (बारह) माह

निविदा खुलने की तिथि : 04.11.2026

न्यूनतम वांछनीय आधार के लिये सिमिलर वर्क : कोई भी पी-वे कार्य*।

*नोट:- 1: न्यूनतम वांछनीय आधार के लिये सिमिलर वर्क "कोई भी पी-वे का कार्य"-निविदा में विशेष शर्त के साथ (i) निविदाकार/बोलीदाता को ट्रैफिक ब्लाक के दौरान रनिंग ट्रैक में काम करने के लिये न्यूनतम 02 नग पी0क्यू0आर0एस0/एस0क्यू0आर0एस0/टी0आर0टी0 मशीनों और पी0क्यू0आर0एस0 डिपो में काम करने के लिये 02 नग गैन्ट्री के स्वामित्व का शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा। (ii) सफल बोलीदाता को 'लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस (एल0ओ0ए0)' जारी होने के 45 दिनों के भीतर, एक ऐसी फर्म के साथ नोटरी-सत्यापित 'मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' (एम0ओ0यू0) जमा करना होगा, जिसके पास आर0डी0एस0ओ0-अनुमोदित 'क्वालिटी एश्योरेंस प्लान' (क्यू0ए0पी0) वाला 'फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट' हो। इस शर्त का पालन न करने पर कॉन्ट्रैक्ट तुरंत रद्द कर दिया जायगा; या फिर निविदाकार को यह घोषणा-पत्र जमा करना होगा कि उसके पास आर0डी0एस0ओ0-अनुमोदित क्यू0ए0पी0 वाला 'फ्लैश बट प्लांट' है।

नोट-2: 1: ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। 2: उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि 04.11.2026 तक उपलब्ध है। 3: उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 4: निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्शियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 5: निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 6: माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 7: संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 8: निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in. पर भी अपलोड कर दिया गया है। 9: बयाने की राशि केवल नेटबैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 10: किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 11: आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि 04.11.2026 को समय 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 12: निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 2272/26(AS)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

## सम्पादकीय.......

# एशियाई खेलों में भारत

हम संतोष कर सकते हैं कि एशियाई खेलों में भारत चौथे स्थान पर रहा है। इस प्रतिष्ठित खेल स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 85 पदक जीते। जिसमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। आइची–नागोया में संपन्न एशियाई खेलों के आखिरी दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने दमखम दिखा कर सोने के तमगों की संख्या बढ़ाई है। निस्संदेह, कह सकते हैं कि हम एशिया में पहले चार देशों में शुमार हैं। लेकिन यहां सवाल यह है कि भले ही हम चौथे स्थान पर रहे हैं, लेकिन इन खेलों में नंबर एक व दो रहे चीन व जापान के आगे हम कहां खड़े हैं? इस बार भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने यह भी सोचने को मजबूर किया कि आने वाले कुछ दशकों में भारत ओलंपिक की दावेदारी में कहां ठहरता है? वैसे इस बार के एशियाई खेलों से जुड़ी कुछ सुखद स्मृतियां भी हैं, मसलन तीरंदाजी में हमने नौ मेडल जीते हैं। जिसमें पांच स्वर्ण पदक शामिल हैं। सुखद यह भी है कि कुमकुम मोहोद रिकर्व कैटेगरी में भारत की पहली व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करने वाली खिलाड़ी बनीं। भारतीय खिलाड़ियों को बॉक्सिंग और रेसलिंग में क्रमशः तीन और दो स्वर्ण पदक मिले। वहीं दूसरी ओर प्रणवी उर्स एशियाई खेलों में व्यक्तिगत गोल्फ गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। वहीं दूसरी ओर इस बार भी भारतीय खिलाड़ियों ने क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में अपना वर्चस्व कायम रखा। महिला हॉकी में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धि बहुत खास रही। उन्होंने अनुशासन और ऊंचे मनोबल के साथ बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने मौजूदा चौंपियन चीन को हराकर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक का 44 साल का हमारा इंतजार खत्म किया। लेकिन हमारे खिलाड़ी एथलेटिक्स में हमारी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। एकमात्र स्वर्ण महिलाओं की 4• 400 मीटर रिले रेस में हासिल हुआ। निशानेबाजों का प्रदर्शन भी उत्साह जगाने वाला नहीं रहा। इस बार हमें, पिछले ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर ने निराश किया। वह इस बार खाली हाथ लौटी हैं। वैसे पिछली बार चीन में हुए एशियाई खेलों से तुलना करें तो इस बार हमारा प्रदर्शन फीका रहा। तब हमने 28 स्वर्ण पदकों के साथ 106 मेडल जीते थे। इस बार सात स्वर्ण समेत कुल 21 पदकों की कमी, हमारे खेल नीति–नियंताओं के लिये एक चेतावनी जैसी है। हालांकि, यह वक्त हमारे लिये नागोया में मिली कामयाबियों का जश्न मनाने का है। लेकिन हमें अपनी कमजोरियों को लेकर भी आत्ममंथन करने की जरूरत है। निस्संदेह, भारत में खेलों का भविष्य चंद खिलाड़ियों की कामयाबी से तय नहीं किया जा सकता है। हमें एशियाड के बाद ओलंपिक के लिये युद्ध स्तर पर तैयारियां करनी होंगी। इस कामयाबी के लिये नई प्रतिभाओं की पहचान, विश्व स्तरीय प्रशिक्षण, मानसिक रूप से सशक्त खिलाड़ी तैयार करने तथा विश्वस्तरीय सपोर्ट सिस्टम बनाने की जरूरत होगी। इन एशियाई खेलों ने हमें हकीकत का आईना दिखाया है। अब हम अभी से वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स के ओलंपिक खेलों की तैयारी में जुट जाएं।

# एसआईआर के विरोध में चौतरफा आंदोलन

**डॉ. दीपक पाचपोर**

*एक बार फिर राहुल की बात पर भाजपा ने खिल्ली उड़ाई, लेकिन दिल्ली से लेकर मुंबई और पूरे देश में जिस तरह मोदी सरकार के खिलाफ अपना विरोध जनता दिखा रही है, उसके बाद राहुल गांधी की बात ही सच होती दिख रही है।*

राहुल गांधी ने चार महीने पहले मई में कहा था कि मोदी सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी। तब उनके बयान का खूब मजाक भाजपा ने बनाया था, क्योंकि उस समय भाजपा ने बंगाल, असम चुनावों में बड़ी जीत दर्ज की थी। लेकिन राहुल गांधी ये कहते रहे कि उन्हें सिस्टम के अंदर से खबरें मिल रही हैं, जो मोदी सरकार के खिलाफ हैं। फिर 30 सितंबर को भी राहुल गांधी ने कहा कि बहुत जल्द देश में बड़ा बदलाव देखने मिलेगा। एक बार फिर राहुल की बात पर भाजपा ने खिल्ली उड़ाई, लेकिन दिल्ली से लेकर मुंबई और पूरे देश में जिस तरह मोदी सरकार के खिलाफ अपना विरोध जनता दिखा रही है, उसके बाद राहुल गांधी की बात ही सच होती दिख रही है। एसआईआर के मुद्दे पर ज्ञानेश कुमार को बचाने की जितनी कोशिश नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं, उतना ज्यादा उनकी सरकार के गिरने का खतरा बढ़ रहा है। इंडिया गठबंधन ने 30 सितंबर की बैठक में ऐलान किया था कि देश भर में वोट चोरी के मुद्दे पर मोर्चा खोला जाएगा, इसके अलावा कॉकरोच जनता पार्टी ने भी मुंबई में 2 अक्टूबर को प्रदर्शन किया और 10 अक्टूबर से फिर से जंतर–मंतर पर बैठने की चेतावनी दी है, अभिजित दिपके ने तो साफ कहा है कि पुलिस उन्हें जहां रोकेगी, वहीं जंतर–मंतर बन जाएगा। इधर नागरिक समाज की तरफ से भी मोदी सरकार के खिलाफ विरोध तेज हो चुका है। शुक्रवार को गांधी जयंती पर नेहा बोरा, योगेन्द्र यादव, मनोज झा, संजय सिंह जैसे तमाम लोगों को पुलिस ने रोका, घसीटा, हाथों से उन पर वार किया, लेकिन उन्हें और उनके साथ खड़े हो चुके युवाओं को पुलिस नहीं रोक पाई। शनिवार को फिर जंतर–मंतर पर जबरदस्त प्रदर्शन देखने मिला। 2024 से पहले का वक्त होता तो ऐसी चुनौतियों को मोदी–शाह हवा में उड़ा सकते थे, लेकिन इस बार मामला संगीन हो गया है। एक के बाद एक आंदोलन, धरने और प्रदर्शन चल ही रहे हैं। यह सब राहत दे रहे हैं कि देश में लोकतंत्र को बचाने के लिए अब जनता ही उठ खड़ी हुई है। ज्ञानेश कुमार के कारण चुनाव आयोग की साख तो पूरी तरह मिट्टी में मिल ही चुकी है, खुद उनकी अपनी साख भी हमेशा के लिए बर्बाद हो गई है। अब से पहले कभी देश में चुनाव आयुक्त के पद पर बैठे व्यक्ति के लिए गद्दार, चोर, देशद्रोही जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया गया। चुनाव में गड़बड़ियों के आरोप कई बार लगे, विरोधी पार्टियों ने दबंगई करने, बूथ कब्जा करने जैसे गंभीर आरोप भी एक दूसरे पर लगाए, लेकिन आरोपों का कीचड़ चुनाव आयोग पर कभी नहीं उछला। लेकिन मोदी–शाह और ज्ञानेश कुमार ने तो खुद को कीचड़ में सना दिया है। अब जनता जब इस कालिख पर ऊंगली उठा रही है तो चुनाव आयोग अपने फैसलों को पलट रहा है, मगर अब देर हो चुकी है। पूरे देश में एसआईआर रोकने की मांग तेज हो चुकी है और अपना वोट कटने से नाराज लाखों लोग सड़कों पर उतर गए हैं तो अब चुनाव आयोग अपने फैसलों को पलट रहा है। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि मतदाता सूची में छूट गए लोगों और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं या युवा मतदाताओं का पंजीकरण करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाए। यानी पहले नाम काटे गए और अब जुड़वाने की कवायद आयोग करवा रहा है। इधर दिल्ली में चुनाव आयोग ने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों यानी ईआरओ के लिए ईसीआईनेट पोर्टल में कुछ नए विकल्प जोड़े हैं। इन विकल्पों के बाद अब ईआरओ किसी नोटिस पाने वाले मतदाता को बिना दस्तावेज जमा कराए और कुछ मामलों में बिना सुनवाई तय किए भी अंतिम मतदाता सूची के लिए योग्य घोषित कर सकते हैं। पहले किसी नोटिस के बाद मतदाता को दस्तावेज जमा करने और सुनवाई की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था। लेकिन इस पर काफी विवाद उठा था, तो अब आयोग ने फिर पलटी मारी है। जिस तरीके से चुनाव आयोग में फैसले लिए जा रहे हैं, उसे देखकर नोटबंदी और जीएसटी लागू करने का दौर याद आता है। तब भी ऐसे बार–बार नियम बदले गए थे, जिसमें जनता को तकलीफ हुई और देश को भी बड़े नुकसान हुए। आर्थिक नुकसान तो फिर भी किसी तरह पूरा किया जा सकता है, मगर एसआईआर के नाम पर करोड़ों लोगों को मतदान के अधिकार से वंचित कर दिया गया तो लोकतंत्र नहीं बचाया जा सकेगा, यह तय है। इस बीच वकीलों के संगठन लॉयर्स एसोसिएशन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के पांच पूर्व न्यायाधीशों के साथ एसआईआर की वैधता की जांच के लिए आयोग बनाया है। यह आयोग जांच करेगा कि चुनाव आयोग की एसआईआर की प्रक्रिया संविधान और कानून के अनुरूप है या नहीं और इससे पात्र मतदाताओं के अधिकारों पर क्या असर पड़ा। देशभर में जनसुनवाई, मतदाता सूची से नाम जोड़ने–काटने के आंकड़ों का विश्लेषण और कानूनी समीक्षा होगी। दिसंबर 2026 तक अंतिम रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस एमबी लोकुर इस आयोग के अध्यक्ष होंगे। उनके अलावा सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस एके पटनायक, जम्मू–कश्मीर हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बदर दुर्रेज अहमद, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रेखा शर्मा और पटना हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश जस्टिस अंजना प्रकाश सदस्य होंगी। दिसंबर में आयोग की रिपोर्ट में क्या निकल कर सामने आता है, यह देखने का इंतजार तो रहेगा ही। लेकिन ऐसे आयोग के गठन का मतलब यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट के रवैये पर भी देश में निराशा फैली है। एसआईआर में देश भर के 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं को ड्राफ्ट मतदाता सूचियों से बाहर कर दिया गया है। इनमें करीब 5.8 करोड़ ऐसे मतदाता शामिल हैं, जिनके नाम 10 राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों की ड्राफ्ट सूचियों में शामिल नहीं हो पाए हैं। मतलब इन लोगों के लिए अब कोई उम्मीद ही नहीं है कि वो किसी भी तरह वोट दे पाएंगे। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने पहले कहा था कि अगर मतदाता सूचियों से बड़े पैमाने पर नाम हटाए गए तो वह हस्तक्षेप करेगा।

# जनता को अब बंटना नहीं है, जंतर-मंतर से आई एकता को बनाए रखना है

शकील अख्तर

प्रधानमंत्री मोदी ने ही देश को हिन्दू–मुस्लिम में बांटा था। और अब उन्होंने ही न केवल हिन्दू–मुस्लिम को बल्कि बाकी जाति और अन्य दूसरे जितने भी आधारों पर जनता को बांटा था सबको फिर एक कर दिया। पाठक सोच रहे होंगे यह हमने मोदी द्वारा जनता को एक करने की बात किस आधार पर लिखी? उनका सोचना सही है। मोदी द्वारा बांटते हुए उन्होंने देखा है। लेकिन यह वापस जनता के जुड़ने की बात? जी हां! हम यह इस आधार पर कह रहे हैं कि जन्तर मन्तर–2 शुरू होने के बाद भी मोदी जन्तर मन्तर –1 से सबक नहीं ले पा रहे हैं। उस आन्दोलन में शिक्षा के मुद्दे पर सब एक हो गए थे। शिक्षा सबकी जरूरत है। और उसमें धांधलियां धर्म और जाति, छात्र और छात्राओं सबको प्रभावित कर रहीं थीं। स्टूडेंट की मांग इसके लिए दोषी शिक्षा मंत्री को हटाने की थी। और उसने सबको एक कर दिया था। और आखिर एक महीने से ज्यादा समय तक सरकार विरोधी माहौल सहने के बाद मोदी को अपने शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा लेना पड़ा था। मोदी ने उसमें जितनी देर की उतना ही उनके खिलाफ माहौल बना। और अब वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने की जितनी कोशिश करेंगे उतना ही उनके खिलाफ माहौल और बनेगा एवं जनता में एकता और बढ़ेगी। चुनाव में धांधलियां तो धर्म जाति, स्त्री पुरूष से आगे जाकर अमीर–गरीब, गांव, शहर सब जगह प्रभावित कर रही हैं। इसी के खिलाफ जन्तर मन्तर–दो हो रहा है। अगर मोदी ने इसमें भी उतनी ही देर कर दी जितनी शिक्षा मंत्री के इस्तीफे में की थी तो इस बार जनता की एकता फिर 2014 से पहले वाले पुराने स्तर पर पहुंच जाएगी। और इस्तीफा तब भी उन्हें ज्ञानेश कुमार का लेना होगा। हम इसलिए लिख रहे हैं कि मोदी ने ही बांटा था मोदी ही एक कर रहे हैं। आज वे समझ नहीं पा रहे कि क्या करें? और फिर जब करने को कुछ नहीं रहता तो वही करते हैं जो पहले करना था। जन्तर मन्तर का आन्दोलन बढ़ता जा रहा है और उसे दबाने के लिए सरकार पुलिस से ज्यादा ज्यादतियां करवा रही है। इस बार निशाने पर पत्रकार भी हैं। उन्हें काम करने से रोका जा रहा है। और सबसे शर्मनाक बात यह है कि महिला पत्रकारों के साथ पुलिस द्वारा शारीरिक छेड़छाड़ की घटिया हरकत की जा रही है। एक महिला पत्रकार ने पुलिस पर सीधा आरोप लगाया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से लेकर पत्रकार संगठनों ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए दोषी पुलिस अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सरकार पुलिस के द्वारा जितना दमन करने की कोशिश करेगी जनता की एकजुटता उतनी ही बढ़ेगी। युवाओं के माता–पिता भी आन्दोलन में आएंगे। लोगों को बांटने की सारी कोशिशें असफल हो जाएंगी। और यही मोदी के लिए सबसे बड़ी मुश्किल होगी। वे बांटो और राज करो के आधार पर ही अब तक चुनाव जीत रहे थे। इसमें चुनाव आयोग उनका सबसे बड़ा सहयोगी था। अब दोनों चीजें टूट रही हैं। लोगों का बंटना बंद हो गया है और चुनाव आयोग की सारी पोल पट्टी खुल जाने के बाद वह हिम्मत हार गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा होना है। इसे कोई नहीं रोक सकता। मोदी देर चाहे जितनी कर सकते हैं। मगर इसमें उन्हें एक और खतरा है और वह बहुत बड़ा है। अपने खिलाफ आन्दोलन से घबरा कर कहीं ज्ञानेश कुमार राहुल गांधी की बात न मान लें। ज्ञानेश कुमार यह तो समझ ही गए हैं कि अब मोदी उन्हें बचा नहीं सकते। बस कुछ दिन और कुर्सी पर रख सकते हैं। मगर उससे कुछ होगा नहीं। आखिरी में उन्हें जाना भी पड़ेगा और कठोर ट्रायल का सामना भी करना होगा। राहुल देशद्रोह कह रहे हैं। बहुत कड़े कानूनों में उन पर केस होगा। फिर कोई बचाने नहीं आएगा। ऐसे में राहुल की बात मानकर सरकारी गवाह बन जाने में ही जान बख्शी है। लेकिन मुसीबत कम उनकी होगी मोदी की बढ़ेगी। क्यों राहुल का कहना है कि उन्हें यह बताना होगा कि किस के कहने से वे वोट चोरी कर रहे थे। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी के लिए अब मुसीबतों का अंत नहीं है। जनता ने बंटना बंद कर दिया है, एक हो रही है और ज्ञानेश कुमार ऐसी मुसीबत बन गए हैं जो न निगलते बने न उगलते। मोदी ने जो किया था उनके वह कर्म सामने आ रहे हैं। राजनीति सब करते हैं। मगर मोदी ने राजनीति नहीं की बल्कि एक अहंकारी शासक की तरह सत्ता चलाई है। कुर्सी पर बैठने के बाद उन्हें लगा कि अब उन्हें कोई नहीं हटा सकता। खुद को नान बायलोजिकल बताकर उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से अमरत्व प्राप्त हो जाने की भी बात कह दी थी। इसी अहंकार में उन्होंने सारी संवैधानिक संस्थाएं तहस नहस कर दीं। लेकिन हर चीज का एक समय होता है और वह दिखने लगा। शिक्षा के ढांचे को पूरी तरह खत्म करने के कारण हुआ छात्र आन्दोलन एक बड़ा अभियान बन गया। और लगातार 37 दिन के आन्दोलन के बाद मोदी को शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेना पड़ा था। उससे शुरूआत हो गई। और अब चुनाव आयोग के मामले में उससे भी तेज आन्दोलन शुरू हो गया। नया नेतृत्व उभर कर सामने आ गया। जेएनयू की नेहा वोरा एक ऐसी हिम्मती लड़की के तौर पर सामने आई जो हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई।

मोदी ने आन्दोलन के खिलाफ आंदोलनजीवी कहकर, जेएनयू के खिलाफ तो 2014 में सरकार बनने के साथ ही पहला निशाना उसी पर लगाकर, और अरबन नक्सल से लेकर नाराज फूफा तक पता नहीं जाने क्या क्या कहा। उद्देश्य था आवाजों को दबाना। मगर आवाजें कभी दबी हैं? वह तो राजशाही से लेकर अंग्रेजों के दौर तक हमेशा उठती रही हैं और अब लोकतंत्र में तो इसके दबने का सवाल ही नहीं। हिन्दू–मुस्लिम की नफरती राजनीति ने कुछ समय के लिए विभाजन की आवाजों को तेज करके जनता की वास्तविक आवाजों को दबा दिया था। मगर इस नई पीढ़ी के आने के बाद हर वर्ग की आवाजें तेज उठने लगीं। इसी में नया नेतृत्व निकला है। मोदी के लिए इसे संभालना बहुत मुश्किल होगा। इसलिए बेहतर है कि वह युवा पीढ़ी, छात्र–छात्राओं से मुठभेड़ का रास्ता छोड़कर उनकी समस्याएं सुलझाने का काम करें। धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा बहुत देर से लिया था। ज्ञानेश कुमार का जल्दी लें। चुनाव में धांधली से नहीं अपने कामों से वोट लें। समय अब उनके विपरीत आ गया है। ऐसे में आन्दोलनकारियों के साथ मिलकर बात करने में ही भलाई है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आन्दोलन को सत्याग्रह का नाम देकर व्यापक स्वरूप दे दिया है। आंदोलन सिर्फ ज्ञानेश कुमार के खिलाफ ही नहीं उन्होंने देश में चल रहे हर आंदोलन को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। जनता की शक्ति से कोई नहीं लड़ सकता। इतने समय तक लोगों को बांटकर जो सरकार चलाई है वह अब लोगों के एक होने से खतरे में आ गई है। यह जनता की ताकत है और लोगों के एक होने से आई है। बांटने की कोशिशें और हो सकती हैं। धर्म तो इनका आधार था ही। जाति के आधार पर। स्त्री पुरुष के आधार पर। गांव शहर किसी भी आधार पर यह लोगों को बांटने की फिर कोई कोशिश कर सकते हैं। वही इनका आखिरी हथियार है। जनता को बस बंटने से होशियार रहना है। इन आन्दोलनों से आई एकता की शक्ति को बनाए रखना है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

# भारत में नया राजनीतिक आख्यान–प्रधानमंत्री मोदी के मोहरे हैं ज्ञानेश कुमार

डॉ. ज्ञान पाठक

विपक्षी इंडिया गठबंधन का नया राजनीतिक आख्यान यह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मोहरे हैं, जिनके जरिए भारत के चुनावी लोकतंत्र को अगुवा कर लिया गया है। इसलिए इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि भाजपा सीईसी ज्ञानेश कुमार और प्रधानमंत्री मोदी का बचाव करने की पूरी कोशिश कर रही है, क्योंकि अब प्रधानमंत्री मोदी सीधे तौर पर इंडिया गठबंधन के निशाने पर हैं। 2 अक्टूबर से सीईसी के विरोध में आंदोलन तेज हो गया है, जो पूरे हफ्ते यानी 8 अक्टूबर तक चलेगा। इसके अलावा, भारत के सर्वोच्च न्यायालय और अन्य उच्च न्यायालयों, खासकर बॉम्बे उच्च न्यायालय में सीईसी और मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ कई मामलों की सुनवाई होगी। इसके साथ ही, सीईसी और ईसी की नियुक्ति के लिए 2023 के अधिनियम से जुड़े मामले में एक नया मोड़ आया है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय के एक जज ने बंटा हुआ फैेसला दिया था, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से कानून के तहत सीईसी को उनकी नियुक्ति के मामले में भी मदद मिली। आरोप है कि जज का बेटा सीईसी के वकीलों के पैनल में शामिल हैं। मामला इसलिए भी पेचीदा है क्योंकि उसी जज ने हाल ही में सीईसी ज्ञानेश कुमार की बेटी और नोएडा की जिलाधिकारी मेधा रूपम को राहत देते हुए एक फैसला सुनाया था। उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा लगाई गई सख्त टिप्पणियों और 5 लाख रुपये के जुर्माने पर रोक लगा दी थी। हाई कोर्ट ने नोएडा में मजदूरों के विरोध–प्रदर्शन के दौरान शामिल एक छात्रा एक्टिविस्ट को एनएसए के तहत हिरासत में लिए जाने के मामले को रद्द कर दिया था। हालांकि आम धारणा यह है कि सीईसी ज्ञानेश कुमार अब तक सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में अपने और अपने निर्णयों से जुड़े मामलों को सफलतापूर्वक संभालते रहे हैं। लेकिन आने वाले कुछ दिनों में उन्हें बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है जब इन मामलों की सुनवाई होगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि उनके कई फैेसलों को बाकी दो चुनाव आयुक्तों ने भी श्गैर–कानूनीश और शबिना अधिकार के लिए गए फैसलेश बताया था, जबकि उन्होंने अपने फैसलों को ईसीआई के सर्वसम्मत फैसले के तौर पर पेश किया था। 2 अक्टूबर के बाद जब सीईसी के खिलाफ आंदोलन तेज हो गयी है, तो इसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। इसमें न सिर्फ इंडिया ब्लॉक की पार्टियां, बल्कि कॉकरोच जनता पार्टीश (सीजेपी) के बैनर तले जेन जी, सिविल सोसाइटी और आम लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। सीईसी के खिलाफ यह आंदोलन, जो असल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाता है, अब एक नए और मजबूत चरण में प्रवेश कर रहा है। इस हफ्ते 2 से 8 अक्टूबर तक देशव्यापी लोकतंत्र बचाओ विरोध प्रदर्शन होंगे, 6 अक्टूबर को विपक्षी सांसद ईसीआई तक मार्च करेंगे, सीजेपी ने 2 अक्टूबर से श्जेल भरोश आंदोलन और प्रदर्शन शुरू कर दिया है, और देश के सभी जिलों में कई अन्य विरोध रैलियां होंगी। चूंकि यह सीईसी के खिलाफ एक संयुक्त अभियान होगा– जो असल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ है– इसलिए यह अब तक के ऐसे किसी भी आंदोलन से ज्यादा मजबूत होगा। चुनावी आख्यान में बदलाव साफ दिख रहा है। अगले साल की शुरुआत में होने वाले अहम राज्य चुनावों से ठीक पहले वोट चोरी का नारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाता है। विपक्ष ने सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने के साथ–साथ प्रधानमंत्री के इस्तीफे की भी मांग की है। इंडिया ब्लॉक ने इस आंदोलन को न सिर्फ सड़कों पर, बल्कि संसद और अदालतों तक भी ले जाने की योजना बनाई है। वे सीईसी और अन्य ईसी नियुक्ति अधिनियम 2023 की धारा 16 को भी चुनौती देने की योजना बना रहे हैं, जो सीईसी को मुकदमों या उनके खिलाफ कार्रवाई से आजीवन सुरक्षा देती है। यह हफ्ता सीईसी ज्ञानेश कुमार के लिए मुश्किल भरा होगा, क्योंकि उन्हें ईसीआई के भीतर संस्थागत अलगाव महसूस हो रहा है। वहां दो चुनाव आयुक्त उनके सभी फैसलों का समर्थन नहीं कर रहे हैं, खासकर उन फैसलों का जो श्गैर–कानूनीश और श्अनधिकृतश हैं। विश्वसनीयता खोने के कारण, उन्हें आयोग के भीतर, न्यायपालिका में और देश भर में राजनीतिक स्तर पर मामलों से निपटने में मुश्किल होगी। उनके अतीत, वर्तमान और भविष्य के कामों की जांच न्यायपालिका, राजनीतिक दलों, सिविल सोसाइटी और उन सभी लोगों द्वारा की जाएगी जो देश के चुनावी लोकतंत्र की रक्षा करना चाहते हैं। इसलिए, सीईसी के लिए सबसे बड़ी समस्या जरूरी नहीं कि विरोध प्रदर्शन ही हों। अब यह साबित करने की जरूरत बढ़ती जा रही है कि आयोग के फैसले स्वतंत्र जांच, अंदरूनी असहमति, न्यायिक जांच और जनता की नजर में खरे उतर सकते हैं। इन सभी बातों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए भी बहुत महत्व है, क्योंकि ईसीआई, सीईसी, और एसआईआर से जुड़ी राजनीतिक कहानी अब उनके नियंत्रण में नहीं है। इस हफ्ते न्यायिक घटनाक्रम इसलिए भी अहम हैं क्योंकि तीन अलग–अलग कानूनी सवाल अब एक साथ आ गए हैंरू– 1. ईसीआई और सीईसी का संवैधानिक दर्जा और सामूहिक कामकाज, 2. नियुक्तियों से जुड़े 2023 के कानून की वैधता, और 3. क्या एसआईआर के फैसले और वोटरों के नाम हटाने का काम असल में कानूनी तौर पर जरूरी संस्थागत प्रक्रिया के जरिए किया गया था। सुप्रीम कोर्ट इन्हीं सवालों की जांच करने के लिए सहमत हो गया है, जिसमें सीईसी ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने की मांग वाली याचिका भी शामिल है। 5 अक्टूबर को बॉम्बे उच्च न्यायालय की सुनवाई भी अहम है, क्योंकि इसमें इस सवाल की जांच की जाएगी– महाराष्ट्र के एसआईआर में असल में क्या हुआ था और क्या ईसीआई के विवादित आदेश प्रक्रिया या कानून के हिसाब से सही थे? गोवा बेंच इस बात की जांच कर रही है – क्या अलग–अलग वोटरों के नाम असल में कानूनी प्रक्रिया के जरिए हटाए गए थे? कलकत्ता, तेलंगाना और दूसरे हाईकोर्ट इस सवाल की जांच कर रहे हैं– वोटर लिस्ट गलत होने पर किसी वोटर के पास क्या उपाय है? इन सभी मामलों के नतीजे सीईसी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ी चर्चा पर और असर डालेंगे।

# 'फटा पटाखा' में यामी गौतम धर ने जॉम्बीज के साथ जमाई पार्टी की महफिल

> फिल्म में लीड रोल में नजर आने वाली यामी गौतम धर पहली बार इस तरह के कभी न देखे गए अवतार में नजर आ रही हैं। फिल्म की कहानी इंडियन फैंटेसी फैमिली-एंटरटेनर की दुनिया को जिंदा करती है, जिसमें बहुत सारी मस्ती, मिस्ट्री के साथ बहुत सारा एंटरटेनमेंट का मसाला देखने मिलने वाला है।

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और कलर येलो की फैंटेसी फैमिली एंटरटेनर नई नवेली के जबरदस्त हाई एनर्जी डांस एंथम को जी म्यूजिक कंपनी द्वारा पेश किया जा रहा है। बता दें कि गाना जी. वी. प्रकाश कुमार द्वारा कंपोज किए जाने के साथ ही प्रोड्यूस भी किया गया है। फिल्म में लीड रोल में नजर आने वाली यामी गौतम धर पहली बार इस तरह के कभी न देखे गए अवतार में नजर आ रही हैं। फिल्म की कहानी इंडियन फैंटेसी फैमिली–एंटरटेनर की दुनिया को जिंदा करती है, जिसमें बहुत सारी मस्ती, मिस्ट्री के साथ बहुत सारा एंटरटेनमेंट का मसाला देखने मिलने वाला है। फिल्म को बालाजी मोहन ने डायरेक्ट किया है, जबकि इसकी कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म में अड्डिनाथ एम. कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी और प्रतीक पचौरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जबकि, इसे आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। नई नवेली का म्यूजिक जी. वी. प्रकाश कुमार ने दिया है। यह फिल्म इस दशहरा, 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और कलर येलो के साथ मिल कर जी म्यूजिक कंपनी ने 'नई नवेली' का दूसरा गाना 'फटा पटाखा' रिलीज कर दिया है। गाने को जी. वी. प्रकाश कुमार ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है, जबकि इसके बोल वायु ने लिखे हैं और मधुबंती बागची ने इसे अपनी आवाज से सजाया है। इस हाई–एनर्जी ट्रैक को विजय गांगुली ने कोरियोग्राफ किया है। गाने में यामी गौतम धर एक अनोखी जॉम्बी डांस पार्टी के बीच दिखाई दे रही हैं, जिसके बारे में कभी इसी ने सोचा नहीं होगा। बांधे रखने वाले बीट्स, कैची हुक स्टेप और लार्जर देन लाइफ की कोरियोग्राफी से भरपूर 'फटा पटाखा' फिल्म की फैंटेसी दुनिया में एक मजेदार म्यूजिकल ट्विस्ट लेकर आता है। गाने में जॉम्बीज की मौजूदगी भी पार्टी की जान फूंकती है। अपनी जश्न मनाने वाली एनर्जी, जबरदस्त रिदम और डांस करने पर मजबूर कर देने वाले हुक के साथ यह गाना बिल्कुल सही वक्त पर आया है और यही वजह है कि नवरात्रि में मौके पर यह सभी पसंदीदा बनने को तैयार है। ऐसे में यह गाना फेस्टिव डांस फ्लोर पर जॉम्बीज का एक अनोखा ट्विस्ट लेकर आ रहा है। जी. वी. प्रकाश कुमार ने कहा, श्फटा पटाखा ने हमें एक बहुत ही अलग म्यूजिकल दुनिया के साथ प्रयोग करने का मौका दिया। आइडिया यह था श्नई नवेलीश की दुनिया को लेकर एक ऐसे ट्रैक बनाया जाए, जो बिना वक्त गंवाए जश्न मनाने वाला महसूस हो। मैं चाहता था कि कम्पोजिशन में एक मजबूत हुक और एक ऐसी एनर्जी हो जो आपके साथ रहे, साथ ही फिल्म का क्वर्की कैरेक्टर भी बना रहे। वायु के बोल और मधुबंती की आवाज ने बिल्कुल वही मजेदार, बेबाक क्वालिटी लाई है, जो गाने को चाहिए थी, और यामी की परफॉर्मेंस उस एनर्जी को एक और लेवल ऊपर ले जाती है। मधुबंती बागची ने आगे कहा, फटा पटाखा पूरी तरह से बेबाक मैडनेस है, जो ह्यूमर और जबरदस्त एनर्जी से भरपूर है। इसे रिकॉर्ड करना एक असली धमाका था क्योंकि यह ट्रैक इतना लार्जर–दैन–लाइफ है, उस मस्तीभरे, हाई–ऑक्टेन एज के साथ। जी. वी. प्रकाश कुमार और वायु की क्रिएटिव जोड़ी ने इसे उन सबसे एक्साइटिंग ट्रैक्स में से एक बना दिया है, जो मैंने अभी तक रिकॉर्ड किए हैं। मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं लोगों को इस पर डांस करते देखने के लिए! फटा पटाखा अब जी म्यूजिक कंपनी के जरिए सभी बड़े म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर एंजॉय करने के लिए अवेलेबल है।

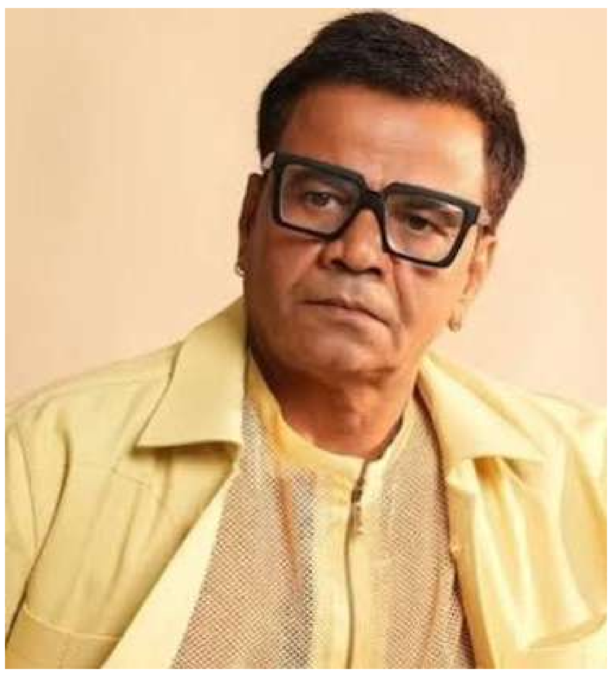

## आपकी जगह जेल में है, राजपाल यादव को न्यायालय की फटकार

उच्चतम न्यायालय ने चेक बाउंस के लंबे समय से जारी कई मामलों में एक निजी कंपनी के बकाये की रकम जमा करने का अपना वादा पूरा नहीं करने पर सोमवार को अभिनेता राजपाल यादव को कड़ी फटकार लगाई। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने 15 सितंबर को यादव को दो सप्ताह का आखिरी मौका देते हुए निजी कंपनी को बकाया रकम चुकाने के लिए ठोस प्रस्ताव देने और शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री में दो करोड़ रुपये जमा करने का निर्देश दिया था। सोमवार को अदालत ने इस बात पर नाराजगी जताई कि दो सप्ताह की अवधि खत्म होने के बावजूद पांच अक्टूबर तक कोई भुगतान नहीं किया गया है। सुनवाई के दौरान यादव के वकील ने कहा, श्श्वे (शिकायतकर्ता) गरीब नहीं हैं। इस पर न्यायमूर्ति बागची नाराज हो गए और कहा, हो सकता है कि वे आपसे अधिक अमीर हों, लेकिन आपने रकम उनसे हड़पी है. .. इस अहंकार को सही जगह दिखानी होगी। आपको पता होना चाहिए कि कब मुंह खोलना है। आपकी जगह जेल में है।श्श पीठ ने निर्देश दिया कि मंगलवार तक भुगतान किया जाए और मामले को बुधवार को सुनवाई के लिए पहले मामले के रूप में सूचीबद्ध किया। पीठ ने कहा कि वह यादव की अपील खारिज कर सकती है, लेकिन ऐसा करने से शिकायतकर्ता के लिए रकम वसूलने की संभावना प्रभावित हो सकती है, इसलिए वह ऐसा करने से हिचक रही है। पीठ ने कहा कि यादव को सोमवार तक भुगतान करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसका पालन नहीं किया। यादव के वकील ने 50 लाख रुपये के डिमांड ड्राफ्ट की एक प्रति पेश की और कहा कि बैंक में ड्राफ्ट की प्रक्रिया जारी है। पीठ ने कहा, यह असली है या नहीं? हमें नहीं पता। वकील ने जब कहा कि डिमांड ड्राफ्ट बैंक के पास है और उसकी प्रक्रिया जारी है, तो शिकायतकर्ता के वकील ने अभिनेता पर अदालत के निर्देशों का बार–बार पालन नहीं करने का आरोप लगाया। शिकायतकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत सिन्हा ने कहा, वह फिल्म अभिनेता हैं। यहां भी अभिनय कर रहे हैं। उन्हें इस संस्था की गरिमा का कोई सम्मान नहीं है।श्श शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि यादव ने 2010 में एक फिल्म के लिए उन्हें दी गई पांच करोड़ रुपये की वित्तीय मदद के निपटारे के लिए 2013 में 1.05 करोड़ रुपये के सात चेक दिए थे। कंपनी ने आरोप लगाया कि उक्त चेक बाउंस हो गए। शिकायतकर्ता के अनुसार, 2012 में दोनों पक्षों के बीच हुए एक समझौते में यादव, उनकी पत्नी और उनकी कंपनी ने ब्याज समेत करीब 11 करोड़ रुपये चुकाने पर सहमति जताई थी। शीर्ष अदालत ने 15 सितंबर को यादव को आत्मसमर्पण करने से मिली छूट को पांच अक्टूबर तक बढ़ा दिया था। पीठ ने तब कहा था, वह नाटक करने में माहिर हैं... अदालत के पहले के आदेशों का पालन नहीं किया गया है।श्श पीठ ने कहा था कि यादव के आचरण से विश्वास पैदा नहीं होता, लेकिन उन्हें आखिरी मौका दिया जा रहा है। यादव की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पी. एस. पटवालिया ने बकाया रकम चुकाने के लिए ठोस प्रस्ताव देने को दो सप्ताह का समय मांगा था और कहा था कि वह अपनी बातों की प्रमाणिकता साबित करने के लिए दो करोड़ रुपये जमा करेंगे। पटवालिया ने कहा था कि यादव साढ़े चार महीने जेल में रहे और मनोरंजन उद्योग में उनके दोस्तों ने उन्हें जमानत दिलाई। शिकायतकर्ता मेसर्स मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिन्हा ने कहा कि उनकी चिंता रकम को लेकर है, क्योंकि यादव ने अपनी प्रतिबद्धताएं पूरी नहीं की हैं।

# 8 साल बाद भी फैंस के दिलों में 'तुंबाड', सोहम शाह ने खास अंदाज में मनाई फिल्म की सालगिरह

साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'तुंबाड' ने भारतीय सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। अनोखी लोककथा, रहस्य और हॉरर–फैंटेसी के मेल से बनी इस फिल्म को रिलीज के सालों बाद भी दर्शकों का प्यार मिल रहा है। 12 अक्टूबर को फिल्म की रिलीज के 8 साल पूरे हो गए हैं। इस खास मौके पर एक्टर और प्रोड्यूसर सोहम शाह ने सोशल मीडिया पर फैंस के नाम एक इमोशनल नोट शेयर किया और उन्हें 'तुंबाड' की दुनिया को अपने नजरिए से दोबारा क्रिएट करने के लिए आमंत्रित किया। सोहम शाह ने एक खास क्रिएटिव ग्राफिक शेयर करते हुए फैंस के लिए लिखा कि आठ साल पहले 'तुंबाड' का सफर शुरू हुआ था, लेकिन किसी तरह यह सफर कभी खत्म नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि फिल्म आज भी दर्शकों की बातचीत, उनकी कला और अलग–अलग क्रिएशन्स में जिंदा है। सोहम ने फैंस के लगातार प्यार और सपोर्ट के लिए उनका शुक्रिया अदा किया और कहा कि वह उन सभी लोगों का जश्न मनाना चाहते हैं, जिन्होंने इतने सालों तक 'तुंबाड' की दुनिया को जिंदा रखा है। सोहम शाह ने फैंस से खास अपील करते हुए कहा कि वे '8 इयर्स ऑफ तुंबाड' के नाम से अपनी क्रिएटिविटी तैयार करें। उन्होंने फैंस को इसे ड्रॉ, पेंट या अपनी पसंद के किसी भी अंदाज में दोबारा इमैजिन करने के लिए कहा। सोहम ने लिखा कि इसके लिए कोई नियम नहीं हैं, बस उनकी कल्पना मायने रखती है। उन्होंने फैंस से अपनी आर्टवर्क पर उन्हें कोलैबोरेशन रिक्वेस्ट भेजने और सोहम शाह फिल्म्स को टैग करने के लिए कहा। एक्टर–प्रोड्यूसर ने यह भी बताया कि वह सभी एंट्रीज देखेंगे और कुछ क्रिएशन्स को अपने पेज पर शेयर करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार वह 'तुंबाड' की दुनिया को फैंस की नजरों से देखना चाहते हैं। तुंबाड' को रिलीज के बाद धीरे–धीरे एक मजबूत कल्ट फॉलोइंग मिली और समय के साथ फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ती गई। साल 2024 में फिल्म को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, जिसके बाद इसे नई ऑडियंस का भी प्यार मिला। री–रिलीज के दौरान फिल्म की लोकप्रियता और कमाई ने भी इसे भारतीय सिनेमा की चर्चित री–रिलीज फिल्मों में शामिल कर दिया। आठ साल पूरे होने के मौके पर सोहम शाह की यह पहल दिखाती है कि फिल्म की दुनिया आज भी फैंस के बीच किस तरह अपनी जगह बनाए हुए है। 'तुंबाड' की आठवीं सालगिरह के बीच अब फैंस की नजरें इसके अगले चैप्टर 'तुंबाड 2' पर भी टिकी हैं। फिल्म को सोहम शाह अपने बैनर सोहम शाह फिल्म्स के तहत प्रोड्यूस कर रहे हैं और इसमें दिग्गज प्रोड्यूसर डॉ. जयंतीलाल गड़ा की पेन स्टूडियोज के साथ पार्टनरशिप है। फिल्म का निर्देशन आदेश प्रसाद कर रहे हैं। मेकर्स के मुताबिक, 'तुंबाड 2' को बड़े सिनेमाई स्केल पर तैयार किया जा रहा है और यह 3 दिसंबर 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# प्यार, जुनून और सस्पेंस से भरपूर है 'तू है मेरी किरण', सोनाक्षी–जहीर की फिल्म का ट्रेलर जारी

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की अपकमिंग फिल्म 'तू है मेरी किरण' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में दोनों की कहानी प्यार से शुरू होती नजर आती है, लेकिन धीरे–धीरे यह रिश्ता जुनून, रहस्य और सस्पेंस का रूप लेता दिखाई देता है। फिल्म की कहानी में एकतरफा प्यार को एक अलग और खतरनाक अंदाज में पेश करने की कोशिश की गई है। 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली इस फिल्म के ट्रेलर में सोनाक्षी और जहीर के किरदारों के बीच रिश्ते की कई परतें देखने को मिलती हैं। हालांकि, मेकर्स ने कहानी के सबसे बड़े राज को अभी छिपाकर रखा है। ट्रेलर लगातार यह सवाल खड़ा करता है कि पर्दे पर जो कुछ दिखाई दे रहा है, क्या वही सच है या कहानी के पीछे कुछ और भी है। 'तू है मेरी किरण' की कहानी का केंद्र एकतरफा प्यार और उससे पैदा होने वाला जुनून है। ट्रेलर में भावनाओं के साथ–साथ रहस्य और रोमांच को भी जगह दी गई है। जैसे–जैसे कहानी आगे बढ़ती है, किरदारों के इरादों और उनके रिश्ते को लेकर कई सवाल खड़े होते हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने फिल्म को अपने लिए अलग अनुभव बताया है। उनके मुताबिक, फिल्म की दुनिया ऐसी है जहां एक सामान्य–सी भावना धीरे–धीरे गहरी और परेशान करने वाली स्थिति में बदलती दिखाई देती है। एक्ट्रेस ने अपने किरदार को कई परतों वाला बताया और कहा कि कहानी दर्शकों को लगातार घटनाओं की सच्चाई पर सवाल करने के लिए मजबूर करेगी। जहीर इकबाल ने भी फिल्म की कहानी और अपने किरदार को लेकर उत्साह जाहिर किया है। उनका कहना है कि फिल्म में एकतरफा प्यार को जिस तरह दिखाया गया है, वही उन्हें सबसे ज्यादा दिलचस्प लगा। उनके किरदार के साथ क्या हो रहा है और उसके पीछे की असली वजह क्या है, इसे लेकर फिल्म में सस्पेंस बनाए रखा गया है। सोनाक्षी के साथ काम करने के अनुभव को भी जहीर ने खास बताया। फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री के साथ उनके किरदारों के बीच बढ़ता तनाव कहानी को आगे ले जाता नजर आ रहा है। 'तू है मेरी किरण' का निर्देशन और लेखन करण रावल ने किया है। फिल्म के जरिए उन्होंने यह दिखाने की कोशिश की है कि जब कोई व्यक्ति अपनी भावनाओं में पूरी तरह डूब जाता है, तो एकतरफा प्यार किस तरह अप्रत्याशित दिशा ले सकता है। करण के मुताबिक, फिल्म का मकसद ऐसी थ्रिलर तैयार करना था जिसमें दर्शक शुरुआत से अंत तक यह अंदाजा लगाने की कोशिश करते रहें कि असल सच्चाई क्या है और कहानी की सतह के नीचे क्या छिपा है। फिल्म का निर्माण विशाल राणा ने निर्माता के मुताबिक, फिल्म की कहानी में एकतरफा प्यार, जुनून और उसके संभावित खतरनाक परिणामों को सस्पेंस के साथ जोड़ा गया है। सोनाक्षी और जहीर ने अपने–अपने किरदारों में गहराई और इंटेंसिटी लाने की कोशिश की है। अब ट्रेलर के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि सोनाक्षी और जहीर के किरदारों के बीच आखिर असली रिश्ता क्या है? कहानी में कौन सा राज छिपा है और यह रिश्ता किस मोड़ पर पहुंचता है, इसका जवाब फिल्म की रिलीज के बाद ही मिलेगा। 'तू है मेरी किरण' 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## हर छोटी- छोटी बात में परेशान हो जाता है आपका बच्चा, तो आज से शुरू कर दें उन्हें पैदल चलाना

एक अध्ययन में पाया गया है कि 11–12 साल की उम्र में रोजाना ज्यादा कदम चलने वाले बच्चों में एक साल बाद मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का जोखिम कम पाया गया। द जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (जेएएमए) नेटवर्क ओपन में प्रकाशित अध्ययन के निष्कर्षों में यह भी सामने आया कि रोजाना 12,000 या उससे अधिक कदम चलने का अधिक कदमों और बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंध बना रहा। आंकड़ों में ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि एक निश्चित संख्या के बाद अधिक कदम चलने का लाभ बढ़ना बंद हो गया। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि सबसे अधिक कदम चलने वाले किशोरों के मस्तिष्क के उन हिस्सों में भी अंतर देखा गया, जो शरीर की गतिविधियों और मनोदशा से जुड़े हैं। इन अंतर ने कदमों की संख्या और बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंध को समझाने में मदद की। विशेषज्ञों का कहना है कि किशोरावस्था मस्तिष्क के विकास और मानसिक स्वास्थ्य के लिहाज से महत्वपूर्ण दौर है इसलिए यह देखना उत्साहजनक है कि शारीरिक गतिविधिा के फायदे दोनों पर पड़ते हैं। यह ऐसी स्थिति नहीं है कि या तो पूरा लाभ मिले या बिल्कुल भी लाभ न मिले। इसका फायदा उठाने के लिए किशोरों का उत्कृष्ट स्तर का खिलाड़ी होना जरूरी नहीं है। विशेषज्ञ कहते हैं कि रोजाना जितने कदम आप पहले से चल रहे हैं, उसमें 1,000 से 2,000 कदम की बढ़ोतरी भी मस्तिष्क की बेहतर संरचना और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े बेहतर परिणामों से संबंधित पाई गई। इसके बाद कदमों की संख्या बढ़ाने के साथ यह लाभ और बढ़ता जाता है। उन्होंने रोजाना अधिक सक्रिय रहने के लिए व्यावहारिक और लंबे समय तक जारी रखे जा सकने वालेश तरीके अपनाने की सलाह दी। जैसा कि स्कूल पैदल जाना, भाग–दौड़ वाले खेलों में हिस्सा लेना और ऐसी गतिविधियां करना, जिनमें किशोरों की वास्तव में रुचि हो, रोजाना अधिक चलने के आसान अवसर हो सकते हैं। इससे किशोर जिस स्तर से शुरुआत कर रहे हैं, वहीं से शारीरिक गतिविधि के लाभ हासिल कर सकते हैं। अध्ययन में शामिल 5,515 किशोरों पर नजर रखी गई। प्रतिभागियों ने 11 से 12 वर्ष की उम्र के आसपास तीन सप्ताह तक फिटबिट उपकरण पहने। एक साल बाद शोधकर्ताओं ने किशोरों और उनके माता–पिता से प्रश्नावली भरवाकर उनके मानसिक स्वास्थ्य का आकलन किया। इसमें चिंता, उदासी और व्यवहार संबंधी समस्याओं जैसे लक्षणों को मापा गया। इन जवाबों की तुलना प्रत्येक किशोर द्वारा रोजाना चले गए कदमों की संख्या से की गई। एक दिन में 5,000 से कम कदम चलने वाले किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी लक्षण सबसे अधिक पाए गए। करीब 8,000 कदम रोजाना चलने वाले किशोरों में ये लक्षण कम थे, जबकि 12,000 या उससे अधिक कदम चलने वालों में सबसे कम लक्षण पाए गए।श्यह अध्ययन अब तक के सबसे स्पष्ट प्रमाणों में से एक है कि रोजाना कदमों की संख्या जैसी सामान्य, कम खर्चीली और आसानी से अपनाई जा सकने वाली शारीरिक गतिविधि किशोरों के मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य के विकास से जुड़ी है।

## कब्ज की समस्या से मिल जाएगा छुटकारा, इन योगासनों का जरूर करें अभ्यास

पेट साफ न होना या कब्ज की समस्या आजकल एक आम परेशानी बन गई है, जिसका सामना हर उम्र के लोग कर रहे हैं। अगर आपका पेट भी सुबह उठते ही साफ नहीं होता, तो इसका असर आपकी सेहत पर बहुत बुरा पड़ सकता है। इसके लिए दवाओं की जगह, कुछ योगासन को अपनी डेली रूटीन में शामिल करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। ये योगासन आपकी गट हेल्थ को सुधारने में मदद कर सकते हैं और पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिला सकते हैं। पेट साफ न होने का मुख्य कारण खराब खान–पान, पानी की कमी, स्ट्रेस, और शारीरिक गतिविधियों की कमी हो सकता है। इन समस्याओं का हल योग के जरिए संभव है। आइए जानते हैं कौन–कौन से योगासन आपको पेट साफ करने और कब्ज की समस्या से निजात दिलाने में मदद करेंगे।

वज्रासन

वज्रासन को खाने के बाद करना अत्यधिक लाभकारी होता है। इस आसन को करने के लिए घुटनों को मोड़कर एड़ियों के बल बैठ जाएं। यह आपके पाचन तंत्र को सक्रिय करता है और पाचन की प्रक्रिया में सुधार लाता है। वज्रासन पेट की गैस को भी कम करने में मददगार साबित होता है। इस आसन को 5–10 मिनट तक रोजाना करने से आपके पेट की सफाई आसानी से हो सकती है।

भुजंगासन

भुजंगासन आपकी गट हेल्थ को सुधारने का एक प्रभावी तरीका है। इसे करने के लिए पेट के बल लेटकर, अपने हाथों को कंधों के पास रखें और धीरे–धीरे शरीर के ऊपरी हिस्से को उठाएं। यह आसन पेट के अंदरूनी अंगों को सक्रिय करता है और कब्ज, अपच जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। इसे नियमित रूप से करने पर पाचन तंत्र में सकारात्मक बदलाव देखे जा सकते हैं।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन आपकी पाचन प्रक्रिया को सुधारने के साथ–साथ कब्ज की समस्या से भी राहत दिलाता है। इसे करने के लिए अपने पैरों को फैलाकर सीधे खड़े हो जाएं। दोनों हाथों को फैलाकर, एक हाथ से अपने पैर को छुएं। यह योगासन आपके पेट के अंगों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है और उन्हें मजबूती प्रदान करता है। नियमित रूप से त्रिकोणासन का अभ्यास करने से कब्ज की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

पवनमुक्तासन

पेट की गैस और कब्ज को दूर करने के लिए पवनमुक्तासन एक उत्तम आसन है। इसे करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं, फिर एक पैर को मोड़कर छाती के पास लाएं और हाथों से इसे पकड़ें। दूसरे पैर के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएं। इस आसन का रोजाना अभ्यास आपके पेट की गैस और कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करता है। पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए यह आसन अत्यधिक प्रभावी है।

मालासन

मालासन या स्क्वाट पोज आपके पेट की मांसपेशियों को सक्रिय करता है और पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है। इस आसन को करने के लिए आपको घुटनों को मोड़कर स्क्वाट पोज में बैठना होता है। यह आसन न केवल पेट साफ करने में सहायक है, बल्कि कब्ज और अन्य पेट संबंधी समस्याओं से भी निजात दिलाता है। रोजाना इसे 2–3 मिनट तक करना फायदेमंद हो सकता है।

उत्तानासन

उत्तानासन एक आसान योगासन है, जो पेट की मांसपेशियों को स्ट्रेच करके कब्ज और अपच से राहत दिलाता है। इसे करने के लिए सीधे खड़े होकर अपने शरीर को आगे की ओर झुकाएं और अपने हाथों से पैरों को छुएं। यह आसन पेट के अंगों को सक्रिय करके पाचन तंत्र में सुधार लाता है।

नियमित पानी पिएं और फाइबर युक्त आहार लें

योगासन के साथ, दिनभर पर्याप्त पानी पीना और फाइबर युक्त आहार लेना भी पेट साफ रखने में सहायक होता है। फाइबर युक्त आहार जैसे हरी सब्जियाँ, फल, और साबुत अनाज आपके पाचन तंत्र को मजबूत बनाते हैं।

नियमित समय पर भोजन करें

पेट को साफ रखने के लिए यह जरूरी है कि आप नियमित समय पर भोजन करें। नाश्ता, लंच और डिनर को समय पर लेना पाचन क्रिया को सही तरीके से बनाए रखने में मदद करता है।

मेडिटेशन और प्राणायाम का अभ्यास

योगासन के साथ–साथ मेडिटेशन और प्राणायाम भी पेट से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में सहायक हो सकते हैं। इनसे मानसिक तनाव कम होता है, जो पाचन तंत्र पर सकारात्मक असर डालता है। इन योगासनों को अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप न केवल कब्ज और गैस की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं, बल्कि अपनी गट हेल्थ को भी बेहतर बना सकते हैं। नियमित रूप से इन योगासनों का अभ्यास करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है और पेट की समस्याओं से मुक्ति मिलती है।

## आंखों के नीचे काले घेरे क्यों होते हैं? जानिए बचाव के तरीके

आंखों के नीचे काले घेरे या डार्क सर्कल्स एक आम समस्या है, जो न केवल आपकी खूबसूरती को प्रभावित करते हैं, बल्कि थकान और तनाव का संकेत भी होते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे नींद की कमी, तनाव, उम्र बढ़ना, आनुवांशिक प्रभाव, या लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठना। हालांकि, कुछ आसान घरेलू नुस्खों का प्रयोग कर आप इन काले घेरों को हल्का कर सकते हैं और अपनी त्वचा को फिर से चमकदार बना सकते हैं।

काले घेरों को हल्का करने के घरेलू नुस्खे

अगर आप आंखों के नीचे के काले घेरे से परेशान हैं, तो नीचे दिए गए नुस्खे आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं।

खीरा

खीरे में त्वचा को ठंडक और आराम देने वाले गुण होते हैं। एक खीरे को पतले स्लाइस में काट लें और इन्हें 10–15 मिनट तक फ्रिज में रखें। ठंडे स्लाइस को अपनी आंखों के ऊपर रखें और 10–15 मिनट तक आराम से बैठें। रोजाना इस प्रक्रिया को दोहराने से आपको जल्दी असर दिखेगा।

आलू का रस

आलू में ब्लीचिंग गुण होते हैं, जो काले घेरों को हल्का कर सकते हैं। एक कच्चे आलू को कद्दूकस करें और उसका रस निकाल लें। कॉटन बॉल की मदद से इस रस को आंखों के नीचे लगाएं और 10–15 मिनट के लिए छोड़ दें। ठंडे पानी से धो लें और इसे नियमित रूप से करें।

टी बैग्स

टी बैग्स में टैनिन्स होते हैं, जो आंखों के आसपास सूजन और काले घेरों को कम करने में मदद करते हैं। उपयोग किए गए टी बैग्स को फ्रिज में ठंडा करें। ठंडे टी बैग्स को आंखों के ऊपर 10–15 मिनट के लिए रखें। इससे न केवल काले घेरे हल्के होंगे, बल्कि आंखों को ठंडक भी मिलेगी।

गुलाब जल

गुलाब जल त्वचा को ठंडक और ताजगी प्रदान करता है। कॉटन बॉल को गुलाब जल में भिगोकर आंखों के नीचे लगाएं। 10–15 मिनट के बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें। रोज इस्तेमाल से काले घेरे कम हो सकते हैं।

बादाम का तेल

बादाम के तेल में विटामिन ई होता है, जो त्वचा को पोषण देने के साथ काले घेरों को हल्का करता है। हर रात सोने से पहले आंखों के नीचे हल्के हाथों से बादाम का तेल लगाएं और धीरे–धीरे मालिश करें। सुबह चेहरे को साफ पानी से धो लें। नियमित प्रयोग से फर्क नजर आएगा।

काले घेरे होने के कारण

1. नींद की कमी पर्याप्त नींद न लेने से त्वचा की रक्त वाहिकाएं साफ दिखने लगती हैं, जिससे डार्क सर्कल्स बनते हैं।

2. तनाव अत्यधिक तनाव शरीर के हॉर्मोनल बैलेंस को बिगाड़ता है, जिसका प्रभाव त्वचा पर पड़ता है।

4. अधिक स्क्रीन टाइम लंबे समय तक टीवी, कंप्यूटर या मोबाइल स्क्रीन देखने से आंखों पर तनाव पड़ता है, जिससे काले घेरे बनते हैं।

5. शरीर में पानी की कमी हाइड्रेशन की कमी से त्वचा रुखी हो जाती है और काले घेरे अधिक स्पष्ट दिखने लगते हैं।

काले घेरों से बचने के उपाय

1. पर्याप्त नींद लें हर दिन 7–8 घंटे की पर्याप्त नींद लें, ताकि आंखों के आसपास की त्वचा को आराम मिले।

2. हाइड्रेट रहें दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं ताकि त्वचा नमी से भरपूर रहे।

3. संतुलित आहार विटामिन सी, ई और एंटीऑक्सीडेंट युक्त आहार लें, जो त्वचा को पोषण प्रदान करता है।

4. स्क्रीन टाइम कम करें आंखों को बार–बार आराम दें और लगातार स्क्रीन देखने से बचें।

आंखों के नीचे के काले घेरे न केवल आपकी सुंदरता को प्रभावित करते हैं, बल्कि यह आपकी दिनचर्या और स्वास्थ्य का भी संकेत हो सकते हैं। ऊपर दिए गए घरेलू नुस्खे नियमित रूप से आजमाने से आपको काले घेरों में कमी महसूस होगी और त्वचा फिर से ताजगी और चमक पाने लगेगी। इसके साथ ही, स्वस्थ जीवनशैली अपनाना और पर्याप्त नींद लेना भी बेहद जरूरी है ताकि इस समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा पाया जा सके।

## वीबी से करें प्यार तो गिफ्ट से कैसे इनकार, पत्नि को दे शानदार गिफ्ट

करवा चौथ का त्योहार आने वाला ही ऐसे में सुहागिन महिलाओं ने तैयारियां शुरु कर दी होगी। वैसे तो पति–पत्नी के रिश्ते में छोटी–छोटी बातों को ध्यान रखना जरुरी है। पति–पत्नी को एक दूसरे की खुशी के लिए कुछ न कुछ स्पेशल करते रहना चाहिए। पति चाहे सालभर में अपनी बीवी को तोहफा न दे लेकिन करवा चौथ के खास मौके पर गिफ्ट जरुर देना चाहिए। अगर आप भी कंफ्यूज है कि पत्नी को गिफ्ट में क्या दें, तो हम इस आर्टिकल में आपको बताएंगे कुछ बेस्ट गिफ्ट आईडियाज जो आपकी पत्नी देखकर खुश हो जाएगी।

जूलरी गिफ्ट करें

इस करवा चौथ अपनी पत्नी को जूलरी गिफ्ट करें। हर महिला को गहने पहनने का काफी शौक होता है। महिलाओं को शौक होता है अलग–अलग तरह के गहने पहनने का, ऐसे में करवाचौथ पर आप उन्हें गोल्ड, चांदी या फिर डायमंड की जूलरी गिफ्ट कर सकते हैं।

फिटनेस वॉच

अगर आपकी वाइफ ने हाल में फिटनेस जर्नी चालू की है तो उन्हें एक बेहतरीन फिटनेस वॉच दे सकते हैं। यह गिफ्ट उनके काफी काम आने वाला है। बाजार में कई तरह की

फिटनेस वॉच मिल जाएगी, अगर आप चाहें तो ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं।

प्रीमियम मेकअप प्रोडक्ट : सोलह श्रृंगार महिलाओं का गहना होता है। ऐसे में आप अपनी वाइफ को कुछ प्रीमियम मेकअप प्रोडक्ट दे सकते हैं। आपकी पत्नि की विशलिस्ट की गई कोई आईटम गिफ्ट में दे सकते हैं।

नया फोन : आप करवा चौथ पर न्यूली लॉन्च फोन भी गिफ्ट कर सकते हैं। इसे देखकर यकीनन उनके चेहरे पर मुस्कान आ ही जाएगी।

## संक्षिप्त

### एकी त परिवहन और लश्वजिस्टिक प्राधिकरण के गठन को मिली मंजूरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को एकीकृत परिवहन एवं लॉजिस्टिक प्राधिकरण (आईटीएलए) स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। यह प्राधिकरण एकीकृत परिवहन और लॉजिस्टिक योजना, अनुसंधान, परियोजना मूल्यांकन तथा निगरानी, नीतिगत समर्थन और डेटा विश्लेषण के लिए शीर्ष निकाय के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा कि आईटीएलए एक दीर्घकालिक परिवहन योजना तैयार करेगा, जिसके दायरे में सड़क, रेलवे, बंदरगाह तथा पोत परिवहन, नागर विमानन, अंतर्देशीय जलमार्ग, तटीय पोत परिवहन, शहरी आवागमन और लॉजिस्टिक शामिल होंगे। आईटीएलए की स्थापना का फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। मंगलवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि मंत्रिमंडल ने ''परिवहन और लॉजिस्टिक के व्यापक क्षेत्रों में अनुसंधान, योजना, मूल्यांकन, निगरानी और प्रभाव आकलन को मजबूत करने के लिए एक विशेष इकाई (एसपीवी) के रूप में एकीकृत परिवहन और लॉजिस्टिक प्राधिकरण (आईटीएलए) की स्थापना को मंजूरी दी।'' इसका मकसद परिवहन से संबंधित कई मंत्रालयों और एजेंसियों के बीच अलग–अलग योजनाओं तथा क्रियान्वयन से पैदा होने वाली पुरानी चुनौतियों का समाधान करना है। आईटीएलए से भारत में परिवहन अवसंरचना विकास की दक्षता और स्थिरता बढ़ने की उम्मीद है। यह प्राधिकरण राष्ट्रीय परिवहन मास्टर प्लान के साथ तालमेल सुनिश्चित करने तथा बहुमॉडल बुनियादी ढांचा विकास को बढ़ावा देने के लिए परिवहन मंत्रालयों की अल्पकालिक क्षेत्रीय योजनाओं (लगभग पांच वर्ष) और वार्षिक योजनाओं का मूल्यांकन करेगा। प्राधिकरण 500 करोड़ रुपये से अधिक की परिवहन और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी करेगा और मुद्दों के समाधान के लिए एक समन्वित तंत्र बनाएगा। यह इन परियोजनाओं के लागू होने के बाद उनके प्रभाव का आकलन भी करेगा।

### सितंबर में FADA ने दर्ज की रिकॉर्ड पैसेंजर व्हीकल बिक्री, 32 फीसदी उछाल

मुंबई। भारत में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 32.1 प्रतिशत बढ़कर 4,27,213 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान कुल वाहन खुदरा बिक्री 25,36,920 इकाई रही, जो सितंबर 2025 की तुलना में 31.82 प्रतिशत अधिक है। उद्योग निकाय फाडा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। फेडरेशन ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल डीलर्स (फाडा) के अनुसार, पिछले महीने दोपहिया वाहनों की मांग 33.08 प्रतिशत बढ़कर 17,90,188 इकाई रही जबकि सितंबर 2025 में यह 13,45,153 इकाई थी। वहीं, तिपहिया वाहनों की बिक्री 22.25 प्रतिशत बढ़कर 1,32,570 इकाई रही जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,08,444 इकाई थी। बयान में कहा गया कि सितंबर 2026 में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 37.62 प्रतिशत बढ़कर 1,03,557 इकाई रही। फाडा के अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा, ''सितंबर 2026, भारतीय वाहनों की खुदरा बिक्री के लिहाज से अब तक का सबसे अच्छा सितंबर रहा। उद्योग ने 25,36,920 इकाइयों की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 31.82 प्रतिशत अधिक है... '' उन्होंने कहा कि फाडा की छह में से पांच श्रेणियों में यह अब तक का सबसे अच्छा सितंबर रहा। इसके साथ ही किसी भी वित्त वर्ष की पहली छमाही में भी खुदरा बिक्री का यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर रहा। पहली छमाही की बिक्री सालाना आधार पर 20.77 प्रतिशत बढ़कर 1,55,12,319 इकाई रही। गिरिधर ने कहा कि खुदरा बिक्री अगस्त की तुलना में 4.69 प्रतिशत बढ़ी। सितंबर के असामान्य आधार प्रभाव को अलग रखें तो भी वित्त वर्ष 2026–27 के पहले पांच महीनों में वृद्धि करीब 17 प्रतिशत रही, जो अधिक वास्तविक अंतर्निहित रफ्तार को दर्शाती है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती को 22 सितंबर 2025 को लागू किया गया था। फाडा ने कहा कि यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री सितंबर में अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर रही। शहरी व ग्रामीण बाजारों में बिक्री क्रमशः 32.11 प्रतिशत और 32.09 प्रतिशत बढ़ी, यानी दोनों में लगभग समान वृद्धि हुई। फाडा ने कहा कि ईंधन के मिश्रण में इस महीने का सबसे महत्वपूर्ण संकेत देखने को मिला।

### भारत का Services PMI सितंबर में 55.2 पर पहुंचा, मजबूत घरेलू मांग से तीन महीने के उच्च स्तर पर

नयी दिल्ली। भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि सितंबर में तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। नए ऑर्डर में तेजी के साथ मजबूत घरेलू मांग से क्षेत्र की वृद्धि को समर्थन मिला। मंगलवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अगस्त के 54.1 से बढ़कर सितंबर में 55.2 हो गया। यह जून के बाद गतिविधियों में सबसे तेज बढ़ोतरी का संकेत है। सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में बढ़ोतरी के बावजूद तिमाही औसत पिछली अवधि के स्तर से ऊपर नहीं जा सका। सर्वेक्षण में कहा गया, ''वास्तव में, वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में वृद्धि मार्च 2022 तक के तीन महीनों के बाद सबसे कमजोर रही।'' क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के अनुसार, 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार, जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों के एक समूह को भेजी गई प्रश्नावली के जवाब के आधार पर एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई तैयार करता है। सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि डिजिटल समाधान, खाद्य, बीमा, ऋण, सॉफ्टवेयर, परिवहन और पर्यटन एवं यात्रा की बढ़ती मांग से प्रेरित रही। इसके अलावा, भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में भी सुधार हुआ। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने जर्मनी, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ब्रिटेन और अमेरिका से मांग बढ़ने की जानकारी दी।

# मैंने अपना फ़र्ज़ निभाया..., वर्ल्ड कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत कौर का कप्तानी से संन्यास

## अब केवल खिलाड़ी के तौर पर खेलेंगी

हरमनप्रीत ने इंस्टाग्राम पर एक लंबी पोस्ट के ज़रिए यह फ़ैसला सुनाया। उन्होंने साफ़ किया कि वह टीम का हिस्सा बनी रहेंगी और उन्होंने यह फ़ैसला टीम को और बेहतर बनाने में मदद करने के लिए लिया है। इस फ़ैसले का मतलब है कि हरमनप्रीत भारत के लिए खेल के सभी फ़ॉर्मेट में कप्तानी की भूमिका छोड़ देंगी।

भारत की वर्ल्ड कप जीतने वाली कप्तान और महिला टीम की अहम खिलाड़ी हरमनप्रीत कौर ने मंगलवार, 6 अक्टूबर को अपनी भूमिका छोड़ने का फ़ैसला किया है। हरमनप्रीत का यह फ़ैसला एशियन गेम्स 2026 में भारत को गोल्ड मेडल दिलाने के बाद आया है, जिससे भारत की सबसे बेहतरीन महिला कप्तानों में से एक के तौर पर उनकी विरासत और मज़बूत हुई है। हरमनप्रीत ने इंस्टाग्राम पर एक लंबी पोस्ट के ज़रिए यह फ़ैसला सुनाया। उन्होंने साफ़ किया कि वह टीम का हिस्सा बनी रहेंगी और उन्होंने यह फ़ैसला टीम को और बेहतर बनाने में मदद करने के लिए लिया है। इस फ़ैसले का मतलब है कि हरमनप्रीत भारत के लिए खेल के सभी फ़ॉर्मेट में कप्तानी की भूमिका छोड़ देंगी।

**खून–पसीना दिया, निजी महत्वाकांक्षाओं का त्याग किया : हरमनप्रीत**

कप्तान के तौर पर अपने समय को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने टीम के लिए अपना सब कुछ दिया और उन्हें विश्वास है कि उन्होंने अपनी ज़िम्मेदारी पूरी की है। उन्होंने लिखा, ष्मैंने इस टीम और भारतीय महिला क्रिकेट के लिए अपना सब कुछ दिया है – अपना खून–पसीना, अपना समय और कई बार अपने खेल और निजी महत्वाकांक्षाओं का भी एक हिस्सा। ऐसे पल भी आए जब मुझे अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन, अपनी तरक्की और अपनी चाहतों को एक तरफ़ रखना पड़ा, क्योंकि मेरा मानना था कि टीम सबसे पहले है।

**फ़ैसले हमेशा समझ नहीं आते : हरमन**

उन्होंने कहा कि कप्तान के तौर पर उन्हें मुश्किल फ़ैसले लेने पड़े, जिन्हें हमेशा समझा नहीं गया और जिनकी उन्हें व्यक्तिगत कीमत भी चुकानी पड़ी। उन्होंने आगे कहा, लेकिन मेरा हर फ़ैसला एक ही मकसद से लिया गया था – इस टीम को बेहतर बनाना और दूसरे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने, खुद पर भरोसा करने और अपना सर्वश्रेष्ठ रूप पाने का मौका देना। उन्होंने लिखा, मुझे लगता है कि मैंने अपना फ़र्ज़ निभाया है। मैंने इस टीम के लिए अपना सब कुछ दिया। हालाँकि, हरमनप्रीत ने साफ़ किया कि कप्तानी छोड़ने का मतलब उनके इंटरनेशनल क्रिकेट करियर का अंत नहीं है। उन्होंने कहा कि वह एक खिलाड़ी के तौर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगी। हरमनप्रीत ने कहा, कप्तानी खत्म होती है, सफ़र जारी रहता है। इससे उन्होंने संकेत दिया कि वह टीम का हिस्सा बनी रहेंगी और अपने करियर के अगले चरण में मैदान पर योगदान देंगी। हरमनप्रीत, जिनकी कप्तानी में भारत ने पिछले साल नवंबर में अपना पहला वनडे वर्ल्ड कप खिताब जीता और हाल ही में टीम ने ज्20 क्रिकेट में लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का गोल्ड मेडल जीता, ने कहा कि वह मिली–जुली भावनाओं के साथ, लेकिन मन में शांति के साथ कप्तानी छोड़ रही हैं। उन्होंने कहा, मैं भावनाओं से भरे दिल के साथ, लेकिन शांति के साथ कप्तानी छोड़ रही हूं।ष् साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें टीम के भविष्य पर पूरा भरोसा है। हरमनप्रीत ने कहा, क्योंकि मुझे सच में लगता है कि मेरी टीम अच्छी स्थिति में है। उनके इस फ़ैसले से भारतीय महिला क्रिकेट के एक अहम अध्याय का समापन हो रहा है, क्योंकि हरमनप्रीत ने सभी फ़ॉर्मेट में टीम की सबसे लंबे समय तक कप्तानी करने वाली खिलाड़ियों में से एक के तौर पर काम किया है।

# पार्थ जिंदल ने सौरव गांगुली को सौंपी दिल्ली कैपिटल की कमान, बने हेड कोच

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली IPL 2027 सीज़न के लिए दिल्ली कैपिटल्स के नए हेड कोच नियुक्त किए गए हैं। वह हेमांग बदानी की जगह लेंगे, जबकि फ्रेंचाइजी ने मुनाफ पटेल, वेणुगोपाल राव और इयान बेल को भी रीटेन नहीं किया है। गांगुली 2019 से इस टीम के साथ डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट समेत कई भूमिकाओं में जुड़े रहे हैं। मंगलवार को घोषणा की गई कि भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली 2027 इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) सीज़न के लिए दिल्ली कैपिटल्स टीम के हेड कोच होंगे। गांगुली 2019 से इस फ़्रैंचाइज़ी से जुड़े हुए हैं, जब वह एक सलाहकार के तौर पर इसमें शामिल हुए थे। इन सालों में, उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स में कई लीडरशिप भूमिकाएँ निभाई हैं, जिनमें पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए 'डायरेक्टर ऑफ़ क्रिकेट' की भूमिका भी शामिल है। फ़्रैंचाइज़ी की ओर से जारी एक बयान में गांगुली ने कहा कि मैं IPL में हेड कोच की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हूँ। दिल्ली कैपिटल्स मेरे दिल के बहुत करीब है और इस फ़्रैंचाइज़ी के साथ मेरा रिश्ता सालों से बहुत मज़बूत रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने मालिकों, मैनेजमेंट, सपोर्ट स्टाफ़ और खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम किया है, इसलिए यह मेरे लिए एक रोमांचक ज़िम्मेदारी है। हमारे पास एक टैलेंटेड ग्रुप है और हमने हाल के समय में अच्छा क्रिकेट खेला है। उन्होंने आगे कहा कि मैं नए सीज़न में टीम के साथ काम करने और एक मज़बूत व निडर टीम बनाने के लिए उत्साहित हूँ। गांगुली ने हेमांग बदानी की जगह ली है, जो दो सीज़न तक इस भूमिका में थे। कैपिटल्स ने बॉलिंग कोच मुनाफ़ पटेल, टीम डायरेक्टर वेणुगोपाल राव और असिस्टेंट कोच इयान बेल को भी टीम में बनाए नहीं रखने का फ़ैसला किया है। दिल्ली कैपिटल्स IPL 2026 में छठे स्थान पर रही, जो पिछले सीज़न में हासिल किए गए पांचवें स्थान से एक पायदान नीचे है। इस नियुक्ति पर बात करते हुए, दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन और को–ओनर तथा श्रैं स्पोर्ट्स के फ़ाउंडर पार्थ जिंदल ने कहा कि दादा हमेशा से दिल्ली कैपिटल्स परिवार का अहम हिस्सा रहे हैं। मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है कि भारत के सबसे महान कप्तानों और एडमिनिस्ट्रेटर्स में से एक, अब दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच के तौर पर कोचिंग की दुनिया में कदम रख रहे हैं।

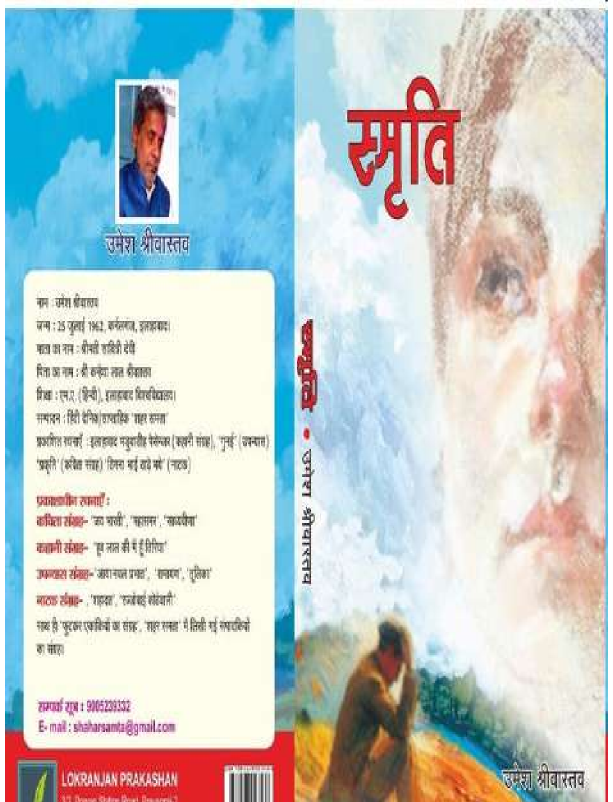


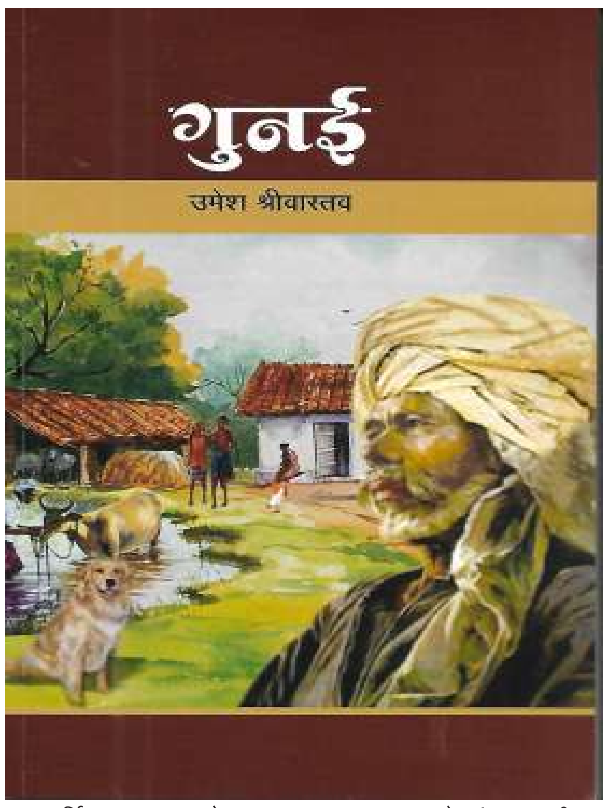


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

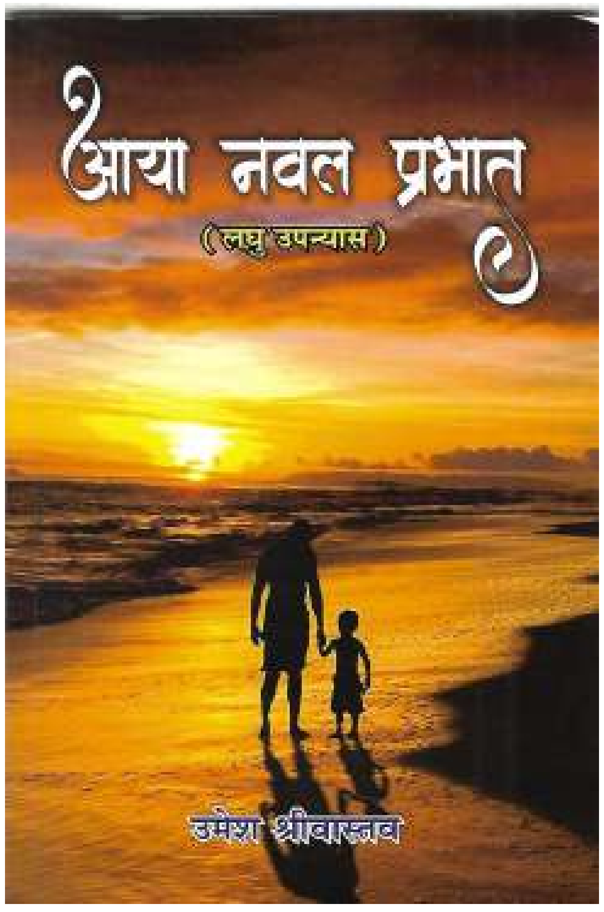


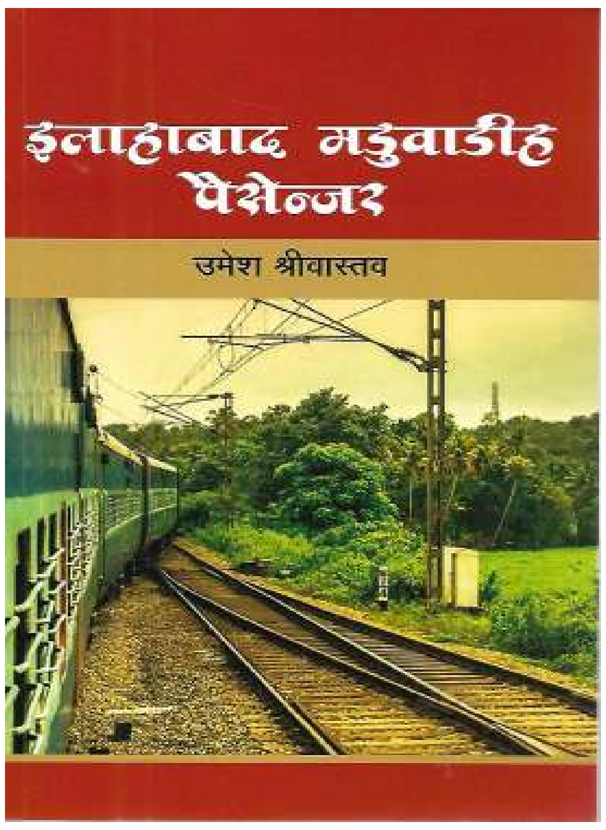


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

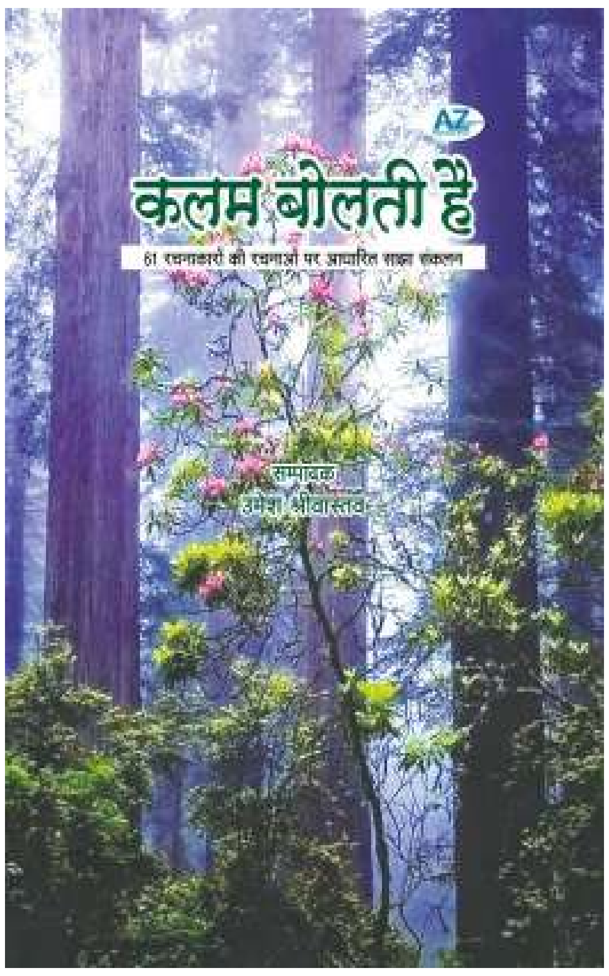


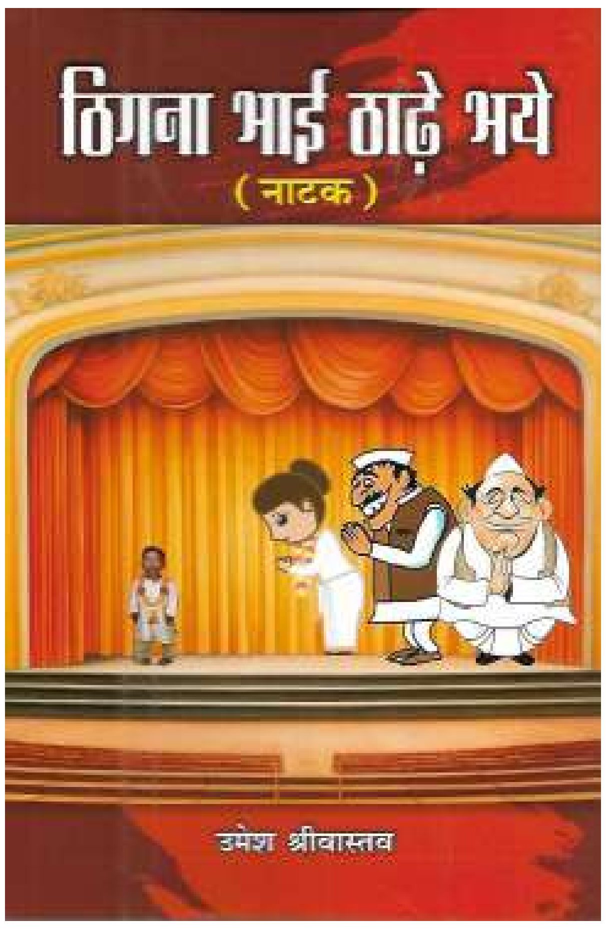


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

हवाई क्तवदम को बेअसर करेंगे रैंमत और डपबतवूंअम हथियार, ¬ ने तैयार किया नया सुरक्षा कवच

अमेरिका के वॉर डिपार्टमेंट ने ऑपरेशनल जांच के लिए चार हाई–एनर्जी लेज़र और हाई–पावर वाले माइक्रोवेव हथियार सिस्टम चुने हैं। यह कदम वॉशिंगटन की उस कोशिश का अहम हिस्सा है, जिसके तहत वह देश की सुरक्षा के लिए बढ़ते अनमैन्ड एरियल व्हीकल (¬।ट) के खतरों से निपटने की अपनी क्षमता बढ़ाना चाहता है। इन सिस्टम की जांच श्डायरेक्टेड–एनर्जी पायलट पहलश के तहत की जाएगी। इसे श्जॉइंट इंटरएजेंसी टास्क फोर्स 401श (श्रप्।ज्थ 401) मैनेज

करेगा, जो छोटे अनमैन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम के खिलाफ रणनीतियों में तालमेल बिठाने के लिए जिम्मेदार मिलिट्री कमांड है। चुने गए सिस्टम में एयरोवायरनमेंट का पैलेटाइज़्ड हाई–एनर्जी लेज़र, एपिरस का लियोनिडास हाई–पावर माइक्रोवेव सिस्टम, कॉर्ड का फायरफ्लाई हाई–एनर्जी लेज़र और बोइंग का कॉम्पैक्ट लेज़र वेपन सिस्टम शामिल हैं। पेंटागन ने सोमवार को इन सिस्टम के चुने जाने की जानकारी दी। उसने इस पहल को डायरेक्टेड–एनर्जी टेक्नोलॉजी के फील्ड इस्तेमाल को बढ़ाने की बड़ी कोशिशों का अगला चरण बताया। इन क्षमताओं की रणनीतिक अहमियत बताते हुए, श्रप्।ज्थ 401 के डायरेक्टर और अमेरिकी सेना के ब्रिगेडियर जनरल मैट रॉस ने कहा हाई–एनर्जी लेज़र और हाई–पावर माइक्रोवेव सिस्टम ऐसे हथियार हैं जिनका इस्तेमाल ड्रोन से बचाव की कई परतों वाली सुरक्षा व्यवस्था में असरदार तरीके से किया जा सकता है। ब्रिगेडियर जनरल रॉस ने आगे कहा यह पायलट प्रोग्राम असल हालात में इन क्षमताओं की जांच करेगा, ताकि हम समझ सकें कि देश की सुरक्षा के लिए इन्हें कैसे बेहतर ढंग से जोड़ा और बनाए रखा जा सकता है। हवाई ड्रोन को बेअसर करने के मामले में, डायरेक्टेड–एनर्जी हथियार पारंपरिक प्रोजेक्टाइल और मिसाइलों का एक अच्छा विकल्प हैं। जहाँ हाई–एनर्जी लेज़र खास टारगेट पर तेज़ थर्मल एनर्जी (गर्मी) केंद्रित करते हैं, वहीं हाई–पावर माइक्रोवेव सिस्टम इलेक्ट्रोमैग्नेटिक पल्स छोड़ते हैं जो अंदरूनी इलेक्ट्रॉनिक सर्किट को खराब कर देते हैं। इस तरह, ये अनमैन्ड एयरक्राफ्ट के खिलाफ सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत मुहैया कराते हैं।

### फ्रांस में भारतीय रोहन राणे पर ऑनलाइन बाल यौन शोषण के गंभीर आरोपों में मुकदमा शुरू

पेरिस। फ्रांस में एक भारतीय युवक पर ऐसे ऑनलाइन गिरोह के संचालन के आरोप में मुकदमा शुरू किया गया है, जो कम उम्र की लड़कियों को यौन गतिविधियों में शामिल होने और खुद को नुकसान पहुंचाने के लिए मजबूर करता था। सरकारी प्रसारक 'फ्रांस24' की खबर के मुताबिक, 29 वर्षीय रोहन राणे के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई सोमवार को पेरिस की एक विशेष आपराधिक अदालत में बंद कमरे में शुरू की गई। खबर के अनुसार, रोहन एंटीबेस के एक बिजनेस स्कूल से पढ़ाई करने के लिए फ्रांस पहुंचा था और बाद में उसने फिटनेस कोच का पेशा अपना लिया। खबर में कहा गया है कि रोहन को नाबालिगों के खिलाफ बर्बर कृत्य, संगठित जबरन वसूली और बाल यौन शोषण सामग्री के वितरण सहित कई आरोपों में साल 2021 में गिरफ्तार किया गया था। इसमें कहा गया है कि मुकदमे की सुनवाई शुक्रवार तक पूरी होने की संभावना है और दोषी पाए जाने पर रोहन को उम्रकैद की सजा हो सकती है।

### हूती विद्रोहियों का सऊदी अरब पर मिसाइल स्ट्राइक, रियाद एयरपोर्ट और अरामको निशाना

यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब में कई जगहों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की ज़िम्मेदारी ली है। इन हमलों में रियाद का किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट और राबिघ में अरामको रिफ़ाइनरी भी शामिल हैं। सऊदी विदेश मंत्रालय ने इन हमलों की कड़ी निंदा की है। सोमवार को टेलीग्राम पर जारी एक बयान में हूती मिलिट्री के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने कहा कि विद्रोही गुट ने बड़ी संख्या में बैलिस्टिक और क्रूज़ मिसाइलों और ड्रोनों का इस्तेमाल करके तीन खास मिलिट्री ऑपरेशन किए। सरी के मुताबिक, पहला ऑपरेशन रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर किया गया। उन्होंने दावा किया कि हमला सटीक और सीधा था और इससे हवाई यातायात में रुकावट आई।

उन्होंने कहा कि दूसरे ऑपरेशन में राबिघ में स्थित अरामको रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। सारी ने दावा किया कि हमला सटीक और सीधा था और इससे निशाना बनाई गई जगह पर आग लग गई। हूती प्रवक्ता ने बताया कि तीसरे ऑपरेशन में आभा एयरपोर्ट, खमीस मुशैत एयर बेस और असीर में अकीफा कैंप के साथ–साथ नजरान और जिज़ान में अन्य महत्वपूर्ण जगहों को निशाना बनाया गया। सारी ने कहा कि ये हमले यमन के खिलाफ सऊदी हमलों के जवाब में किए गए। सारी ने बयान में कहा हमारे देश के खिलाफ सऊदी आक्रामकता के जवाब में ये हमले किए गए। सऊदी अरब ने पिछले 24 घंटों में राजधानी सना और अल–जौफ, ताइज़, हज्जा, सादा और मारिब प्रांतों को निशाना बनाते हुए 60 हवाई हमले और मिसाइल हमले किए, जिनमें महिलाओं और बच्चों समेत आम नागरिकों की जान गई।


**आवश्यकता है**

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227


# रूस–यूक्रेन युद्ध रोकेगा भारत, आ गया जयशंकर का जवाब

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस–यूक्रेन युद्ध और वैश्विक शांति प्रयासों पर भारत का रुख एक बार फिर स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि युद्ध के समाधान के लिए दोनों पक्षों का एक साथ बातचीत की मेज पर आना बेहद जरूरी है। रूस की गैरमौजूदगी में आयोजित होने वाले तथाकथित शांति सम्मेलनों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जिस बैठक में रूस ही शामिल न हो, वैसी बैठकों का कोई वास्तविक मतलब नहीं रह जाता। विदेश मंत्री ने कहा कि संघर्ष से जुड़े कई पक्ष अब एक–दूसरे से सीधे तौर पर बात नहीं कर रहे हैं और उनके बीच का संपर्क पूरी तरह टूट चुका है। जब दोनों पक्षों के बीच संवाद का अभाव होता है, तो वे एक–दूसरे के इरादों और कदमों को लेकर सिर्फ कयास लगाते रहते हैं, जिससे कभी विश्वास का माहौल नहीं बन सकता। जयशंकर ने कहा कि भारत लगातार यह मानता रहा है कि दोनों देशों को सीधे बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि हाल के महीनों में स्थिति तब और संवेदनशील हो गई जब जुलाई में रूस और यूक्रेन, दोनों की ओर से नागरिक जहाजों को निशाना बनाया गया। भारत ने इन हमलों और काला सागर में नागरिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। इन हमलों के दौरान कुछ भारतीय नाविक मारे गए और कुछ घायल हुए। हम इन हमलों को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं करते, चाहे वे ब्लैक सी, रेड सी या खाड़ी (गल्फ) में हों। हमने रूस और यूक्रेन के सामने इस पर कड़ा विरोध जताया। मैंने खुद दोनों देशों के विदेश मंत्रियों से इस बारे में बात की और हमने समुद्री शिपिंग और उसमें शामिल नाविकों की सुरक्षा के लिए सक्रिय कदम उठाने शुरू किए। इन बातचीत के दौरान उस कार्गो (सामान) के बारे में पता चला जिसे इन जहाजों से ले जाया जा रहा था। साथ ही, अनाज के निर्यात को लेकर भी चिंता जताई गई, जो ब्लैक सी में लगभग रुक सा गया था। इसके बाद बातचीत इस दिशा में आगे बढ़ी कि जहाजों पर हमला न होना तो अच्छी बात है, लेकिन अनाज के शिपमेंट को आसान बनाने की भी संभावना है। समस्या यह थी कि बातचीत में अनाज के शिपमेंट के मुद्दे को किसी अलग या अकेले मुद्दे के तौर पर नहीं देखा जा रहा था। इसलिए यह मामला एनर्जी से जुड़ गया। और इस तरह यह बातचीत थोड़ी और व्यापक हो गई। अभी भी इस बारे में बातचीत चल रही है। प्रधानमंत्री ने बिश्केक में राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की थी। और उसके बाद उन्होंने मुझे कीव जाने के लिए कहा। मैं कीव गया और राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की और अपने समकक्ष विदेश मंत्री आंद्रे सबिहा से मिला। फिर मैं वापस आया और प्रधानमंत्री को जानकारी दी। राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्स सम्मेलन के लिए दिल्ली आए थे और उनकी आगे भी बातचीत हुई थी; हम अभी भी दोनों पक्षों के संपर्क में हैं। तो मुझे लगता है कि यह ऐसी चीज़ है जिस पर हमें नज़र रखनी होगी। ज़ाहिर है, यह कोई आसान स्थिति नहीं है। और यह ऐसी चीज़ नहीं है जिसके बारे में कोई पूरे भरोसे के साथ कह सके कि कोई नतीजा निकलेगा ही। लेकिन यह निश्चित रूप से कोशिश करने लायक है क्योंकि, जैसा कि मैंने कहा, हम ग्लोबल साउथ की चिंताओं को समझते हैं। अगर ब्लैक सी से अनाज का निर्यात रुकता है, तो इसका असर अंतरराष्ट्रीय अनाज बाज़ार पर पड़ेगा। अगर एनर्जी का निर्यात रुकता है, तो इसका ग्लोबल साउथ पर बहुत ज़्यादा असर पड़ेगा। अगर फर्टिलाइज़र का निर्यात रुकता है, तो भी वही होगा। तो बेशक हमारे अपने हित हैं, लेकिन हमारे हितों से ज़्यादा ग्लोबल साउथ के व्यापक हित भी हैं और सच कहूँ तो उन पक्षों के हित भी हैं... कि अगर वे किसी सीमित दायरे में भी किसी बात पर सहमत हो सकें, तो हमें लगता है कि मौजूदा हालात में यह एक बड़ी सकारात्मक बात होगी।

## ब्राजील चुनाव में छाया रहा 'ट्रंप फैक्टर', किसी उम्मीदवार को स्पष्ट जनादेश नहीं; 25 अक्टूबर को होगा अंतिम फैसला

ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में पहले दौर में किसी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला। अब मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो के बीच 25 अक्टूबर को दूसरे दौर का मुकाबला होगा। अगला राष्ट्रपति कार्यकाल 5 जनवरी 2027 से शुरू होगा। चुनाव प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक, फ्लावियो बोल्सोनारो को 5.6 करोड़ से ज्यादा वोट, जबकि लूला को करीब 5.36 करोड़ वोट मिले। फ्लावियो का प्रदर्शन चुनाव से पहले के ज्यादातर सर्वेक्षणों के अनुमान से बेहतर रहा। पहले दौर में लूला और फ्लावियों के अलावा 10 उम्मीदवार मैदान में थे। अब इन उम्मीदवारों को मिले वोट और उनके समर्थकों का रुख दूसरे दौर में अहम हो सकता है। चुनाव में अपराध, सार्वजनिक सुरक्षा, महंगाई और जीवन–यापन की लागत प्रमुख मुद्दे रहे। महिलाओं के खिलाफ हिंसा भी बड़ा मुद्दय रही। चुनावी मतदाताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी 53प्रतिशत है।

लैटिन अमेरिकी लेफ्ट की बड़ी लड़ाई

फ्लावियो ट्रम्प के करीबी माने जाते हैं और दोनों के बीच इस साल वाइट हाउस में मुलाकात भी हो चुकी है, हालांकि ट्रम्प ने चुनाव में खुला समर्थन करने से अभी परहेज किया है। पर, ट्रम्प के दोबारा अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद लैटिन अमेरिका में अब तक कोई वामपंथी राष्ट्रपति चुनाव नहीं जीत सका है। ऐसे में फ्लावियो की जीत ब्राजील समेत पूरे क्षेत्र में दक्षिणपंथ को बड़ा बढ़ावा देगी, जबकि लूला की जीत ट्रम्प के बढ़ते प्रभाव के बीच लैटिन अमेरिकी लेफ्ट की बड़ी वापसी होगी।

दक्षिणपंथी पार्टी ने जीतीं सर्वाधिक सीटें

रायटर के अनुसार, बोल्सोनारो की दक्षिणपंथी लिबरल पार्टी रविवार को हुए कांग्रेस चुनावों में सबसे बड़ी विजेता बनकर उभरी। सीनेट और निचले सदन, दोनों में किसी भी एक पार्टी के मुकाबले सबसे अधिक सीटें हासिल कीं। लिबरल पार्टी की सीनेट में सीटें 15 से बढ़कर 28 हो गईं। 1985 में लोकतंत्र की वापसी के बाद से किसी पार्टी के लिए यह सबसे अच्छा नतीजा था। पार्टी ने निचले सदन में भी 121 सीटें हासिल कीं, जबकि अभी वहां उसके पास 98 सीटें हैं।

## ब्लैक सी में कमर्शियल जहाज पर हमला, 2 की मौत, रोमानिया में घायल भारतीय का इलाज जारी

रोमानिया में भारतीय दूतावास ने सोमवार को बताया कि ब्लैक सी में तीन भारतीय नागरिकों को ले जा रहे एक कमर्शियल जहाज़ पर हमला हुआ, जिसमें दो विदेशी नागरिकों की मौत हो गई और कई क्रू मेंबर घायल हो गए। घटना के बाद तीनों भारतीय क्रू मेंबर सुरक्षित बताए गए। भारतीय मिशन ने बताया कि उनमें से एक घायल हो गया था और रोमानिया में उसका इलाज

चल रहा है; मिशन अस्पताल के अधिकारियों के संपर्क में है और हर संभव मदद दे रहा है। ब्लैक सी में डट त्व्ल।क ड।डड।क्व्ट नाम के जहाज़ पर हमला हुआ। घायल क्रू मेंबर को इलाज के लिए रोमानिया ले जाया गया।

दूतावास ने तीन भारतीयों के सुरक्षित होने की पुष्टि की

रोमानिया में भारतीय दूतावास ने शुरू में कहा कि उन्हें हमले की जानकारी मिली है और जहाज के क्रू में तीन भारतीय नागरिक भी शामिल थे। रोमानिया में भारतीय दूतावास ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि हमें आज ब्लैक सी में कमर्शियल जहाज डट त्व्ल।क ड।डड।क्व्ट पर हमले की जानकारी मिली है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, 2 लोगों (विदेशी नागरिकों) की मौत हुई है, जबकि कुछ क्रू सदस्य घायल हुए हैं और रोमानिया में उनका इलाज चल रहा है। आगे यह भी बताया गया है कि क्रू सदस्यों में तीन भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। बाद में मिशन ने भारतीय क्रू सदस्यों से संपर्क किया और पुष्टि की कि तीनों सुरक्षित हैं। उनमें से एक घायल हो गया था और रोमानिया के एक अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। दूतावास ने कहा तीनों भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं। हमने उनसे बात की है। उनमें से एक घायल हो गया है और उसका इलाज चल रहा है। हम अस्पताल के अधिकारियों के लगातार संपर्क में हैं। हम भारतीय क्रू सदस्यों की भलाई और सुरक्षा के लिए हर संभव मदद दे रहे हैं। भारतीय मिशन ने कहा कि घायल नाविक के इलाज के दौरान वे अस्पताल के अधिकारियों के साथ भी तालमेल बिठा रहे हैं। दूतावास ने कहा मिशन भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और भलाई के बारे में और जानकारी हासिल करने के लिए संबंधित अधिकारियों के लगातार संपर्क में है।

भारतीय राजदूत ने अस्पताल में क्रू सदस्यों से बात की

रोमानिया में भारत के राजदूत मनोज महापात्रा ने कॉन्स्टैंटा काउंटी अस्पताल में इलाज करा रहे तीन भारतीय नागरिकों से बात की। उन्होंने अस्पताल के मुख्य डॉक्टर से भी बात की, जिन्होंने पुष्टि की कि तीनों भारतीय ठीक हैं और उन्हें ज़रूरी मेडिकल देखभाल मिल रही है। दूतावास ने बताया राजदूत मनोज महापात्रा ने कॉन्स्टैंटा काउंटी अस्पताल में इलाज करा रहे तीन भारतीय नागरिकों से बात की। उन्होंने अस्पताल के मुख्य डॉक्टर से भी बात की, जिन्होंने पुष्टि की कि तीनों ठीक हैं और उन्हें ज़रूरी देखभाल मिल रही है। राजदूत ने उन्हें हर संभव मदद और सहयोग का भरोसा दिलाया।

### अमेरिका–पराग्वे फोरम के बाद 10 देशों की दो टूक, लैटिन अमेरिका में तुरंत बंद हों Iran की साजिशें

अमेरिका, कनाडा और लैटिन अमेरिका व कैरिबियन के आठ देशों की सरकारों ने एक संयुक्त घोषणा जारी की। इसमें ईरान और उसके सहयोगियों पर पूरे पश्चिमी गोलार्ध में आतंकवादी गतिविधियों और कई तरह के नुकसानदेह ऑपरेशन चलाने का आरोप लगाया गया और इन खतरों से निपटने के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने का वादा किया गया।

यह संयुक्त घोषणा पिछले महीने आयोजित अमेरिका–पराग्वे फोरम का नतीजा है। इस फोरम का मकसद कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच सहयोग को मजबूत करना था, ताकि उस इलाके में ईरान समर्थित आतंकवादी गतिविधियों से निपटा जा सके, जिन्हें वॉशिंगटन ने ऐसा ही करार दिया है। इसमें शामिल सरकारों ने कहा कि ईरान और उसके सहयोगी पूरे इलाके में जानलेवा साजिशें रचने, गैर–कानूनी तरीके से फंड जुटाने, राजनीतिक दखलंदाजी करने और विदेशी प्रभाव बढ़ाने वाले अभियानों में शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में इन देशों ने कहा, ष्हम ऐसे खतरों से अपने देशों और लोगों की सुरक्षा करने के अपने संकल्प में एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ ईरान और उसके प्रॉक्सी को ये हरकतें तुरंत बंद करनी चाहिए।

## हूती हमलों के बीच प्रिंस का मक्का पैक्ट एक्टिव, सऊदी को बचाने जाएगी तुर्की–पाक की सेना

सऊदी अरब और यमन के हूतियों के बीच बढ़ते तनाव के बीच, पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की सऊदी अरब में तेज़ी से सैन्य बल तैनात करने के उपाय करने पर सहमत हुए हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय का हवाला देते हुए श्डॉनश ने खबर दी है कि त्रिपक्षीय मक्का डिफेंस अलायंस की स्ट्रैटेजिक पॉलिटिकल एंड डिफेंस कमेटी (च्क्ब) ने सोमवार को रियाद में एक आपातकालीन बैठक की। इस बैठक में सऊदी अरब के सामने सुरक्षा से जुड़े घटनाक्रमों और खतरों पर चर्चा की गई। इन तीनों देशों ने अगस्त में एक त्रिपक्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता सामूहिक सुरक्षा (डिटरेंस) के लिए एक ढांचा तैयार

करता है और इसमें कहा गया है कि तीनों देशों में से किसी एक पर भी सशस्त्र हमला होने पर उसे सभी पर हमला माना जाएगा। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान के अनुसार, समिति ने सामूहिक रक्षा प्रतिबद्धताओं को लागू करने की दिशा में तुरंत आगे बढ़ने का फैसला किया। साथ ही, तय की गई सैन्य ताकतों और क्षमताओं को उपलब्ध कराने और सऊदी अरब में उनकी तेजी से तैनाती सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाने पर भी सहमति बनी। हालांकि, बयान में शामिल सैनिकों की संख्या या उनकी तैनाती के लिए किसी समय–सीमा के बारे में जानकारी नहीं दी गई। इसमें हुतियों (भ्वनजीपे) का खतरा होने का भी स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया। यह घटनाक्रम सऊदी अरब को निशाना बनाकर किए जा रहे कथित हुती हमलों के बीच सामने आया है। इस आपातकालीन बैठक में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व उप–प्रधानमंत्री इशाक डार, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने किया। जियो न्यूज़ के कार्यक्रम श्आज शहज़ेब खानज़ादा के साथश में बोलते हुए, ख्वाजा आसिफ़ ने कहा कि पाकिस्तान और तुर्की की सेनाएँ वहाँ मौजूद हैं, जबकि सऊदी सेनाएँ लड़ाई वाले अभियानों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब द्वारा मांगी गई मदद दी जा रही है और तुर्की तथा पाकिस्तान की सेनाएँ अभी मदद करने की भूमिका निभा रही हैं। आसिफ़ ने यह भी कहा कि पाकिस्तान टोह लेने (रेकी) के काम में शामिल है। बैठक के बाद जारी बयान में किसी भी तैनाती के पैमाने या समय के बारे में कोई खास जानकारी नहीं दी गई। मक्का गठबंधन के सदस्यों ने मक्का और मदीना के पवित्र शहरों को निशाना बनाने की कोशिशों की भी निंदा की। संयुक्त बयान के अनुसार, उन्होंने सऊदी अरब के शहरों के साथ–साथ आम नागरिकों और आर्थिक सुविधाओं को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों की भी निंदा की।

पाकिस्तान और तुर्की ने खतरों और हमलों का जवाब देने तथा देश की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने में सऊदी सशस्त्र बलों की सतर्कता, तैयारी और पेशेवर रवैये की भी सराहना की।


**प्रतापगढ़ ब्यूरो**
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

**शहर समता**
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।